वैशाख, शुक्ल पक्ष 3, वर्ष-10, अंक 108, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज, शुक्रवार 12 जुलाई, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE NAINI ALLAHABAD

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद मे रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

प्रदेश आस/पास

राजकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 536 पदों पर होगी भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से राजकीय डिग्री कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए जल्द ही विज्ञापन जारी किया जा सकता है। 535 पदों पर भर्ती के लिए यूपीपीएससी को अधियायन भेजा जा चुका है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 536 पदों पर भर्ती करेगा। उच्च शिक्षा निदेशालय ने भर्ती के लिए आयोग को रिक्त पदों का अधियायन भेज दिया है। वहीं, उच्च शिक्षा निदेशालय और राजकीय महाविद्यालयों में समूह-ग के तहत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भी भर्ती के लिए निदेशालय ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) को अधियायन भेजा है। असिस्टेंट प्रोफेसर और समूह-ग के पदों पर भर्ती के लिए क्रमशः यूपीपीएससी और यूपीएसएसएससी की ओर से जल्द ही विज्ञापन जारी किया जा सकता है। राजकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए उच्च शिक्षा निदेशालय ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को दो

चरणों में रिक्त पदों का अधियायन भेजा है। पहले चरण में 384 पदों और दूसरे में 152 पदों का अधियायन भेजा गया है। अभ्यथिर्यों को समूह-ग के पदों पर भी कई वर्षों से भर्ती होने का इंतजार है। उच्च शिक्षा निदेशालय में समूह-ग के 23 पदों पर भर्ती के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियायन भेजा गया है। इनमें छह पद स्टेनो और 17 पद कनिष्ठ सहायक के हैं। वहीं, राजकीय महाविद्यालयों में समूह-ग के तहत कनिष्ठ सहायक के 52 पदों पर भर्ती के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियायन भेजा गया है। इनमें 22 पद अनारक्षित, 12 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 10 पद अनुसूचित जाति, चार पद अनुसूचित जनजाति और चार पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए अधियायन तो मिला चुका है। लेकिन, विज्ञापन जारी करने के लिए आयोग को शासन स्तर से स्क्रीनिंग परीक्षा की नियमावली को स्वीकृति मिलने का इंतजार है। असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती होती है। अब तक केवल इंटरव्यू में मिले अंकों के आधार पर अभ्यथिर्यों का चयन किया जाता था। लेकिन, नई व्यवस्था के तहत अभ्यर्थी के चयन में स्क्रीनिंग परीक्षा के अंक भी जोड़े जाएंगे। स्क्रीनिंग परीक्षा के 75 फीसदी और इंटरव्यू के 25 अंक जोड़कर चयन की मेरिट बनाई जाएगी। स्क्रीनिंग परीक्षा की प्रस्तावित नियमावली को मंजूरी मिलते ही आयोग भर्ती का विज्ञापन जारी करेगा।

3 मोहर्रम की देर रात सब्जी मंडी से उठाई गई मेहंदी, अकीदतमंदों ने लगाया कान्धा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज।3 माहे मोहर्रम बुधवार की देर रात लतीफ मार्केट सब्जी मंडी से सलीम पहलवान की मेहंदी जुलूस उठाया गया। बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने मेहंदी में काँधा दिया। मेहंदी को फूलो से सजाया गया था।लाल और सफेद फूल से मेहंदी की खूबसूरती में चार चांद लग गया। बुधवार की देर रात को मेहंदी उठाई गई। मेहंदी सब्जी मंडी गढी सराय, नखास कोहना, शाहगंज थाना अहमदगंज होते हुए सेवई मंडी, कोतवाली बजाजा पट्टी सब्जी मंडी होते हुए लतीफ मार्केट सब्जी मंडी में रखा गया मेहंदी की ज़ियारत करने के लिए लोग अपने रिश्तेदारों के यहां पहले से आ गए थे मेहंदी उठते ही हर तरफ या अली या हुसैन के नारे लग रहे थे हर तरफ लंगर हो रहा था। मरहूम सलीम पहलवान के बेटे मोहम्मद अजीम मेहँदी के अध्यक्ष बताया कि पिछली कई वर्षों से या मेहंदी निकल जाती है पहले

या मेहंदी मेरे मरहूम पिता सलीम पहलवान निकाल करते थे इसीलिए इस मेहंदी का नाम सलीम पहलवान से जानी जाती है । अजीम ने पुलिस प्रशासन जिला प्रशासन की तारीफ करते हुए कहा कि मेहंदी की व्यवस्था के लिए जिस तरह से शाहगंज थाने व कोतवाली पुलिस ने सहयोग दिया है उसके लिए मेहंदी कमेटी उनका शुक्रिया करती है और उम्मीद करती है कि अगले 10 दिनों तक इसी तरह से पुलिस प्रशासन ताजियादारों का सहयोग करता रहेगा। इनामुल्लाह, गुलाम नबी, मोहम्मद गुलाम चांद भाई पीस कमेटी, मुनन जी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद महबूब दावर , मोहम्मद अकरम, एजाज अहमद बबलू, गुफरान, गोलू, गुलाम रब्बानी, रियाज, मुजम्मिल, अफरोज, फैयाज, उमर, अरशद,रिजवान, उमर अली, आदि लोगो मे मेहंदी जुलूस में शामिल रहे।

स्नातक में प्रवेश के लिए अब तक 13 हजार रजिस्ट्रेशन,सीयूईटी के माध्यम से होंगे दाखिले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इविवि ने परिणाम जारी होने से पहले ही छह जुलाई से सीयूईटी में शामिल अभ्यथिर्यों की यूजी प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि परिणाम जारी होने के बाद रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में अतिरिक्त समय न लगे और पंजीकृत अभ्यथिर्यों की काउंसलिंग समय से शुरू कराई जा सके। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में सनतक प्रवेश के लिए चार दिनों में 13 हजार अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं। इविवि में सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के माध्यम से प्रवेश होने है। सीयूईटी में पूछे गए प्रशनें पर बड़ी संख्या में आपत्तियां आने से परिणाम जारी होने में अब देर हो सकती है। सीयूईटी का परिणाम 30 जून के आसपास प्रस्तावित था लेकिन सीयूईटी की अनंतिम उत्तरकुंजी जारी होने के बाद

अभ्यथिर्यों को रिजल्ट के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। अभ्यथिर्यों ने दावा किया है कि छह विषयों की उत्तरकुंजी में आधे से अधिक जवाब गलत हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपनी आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। इन आपत्तियों के निस्तारण के बाद ही परिणाम जारी किया जाएगा, ताकि बाद में कोई विवाद न हो। वहीं, इविवि ने परिणाम जारी होने से पहले ही छह जुलाई से सीयूईटी में शामिल अभ्यथिर्यों की यूजी प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि परिणाम जारी होने के बाद रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में अतिरिक्त समय न लगे और पंजीकृत अभ्यथिर्यों की काउंसलिंग समय से शुरू कराई जा सके। इविवि में यूजी प्रवेश के लिए मंगलवार शाम 4.40 बजे तक 12947 अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन करा चुके थे।इलाहाबाद डिग्री कॉलेज (एडीसी) के कीडगंज और जीरो रोड परिसर में बीए, बीएससी एवं बीकॉम प्रथम वर्ष सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए पंजीकरण 10 जुलाई से शुरू होने जा रहा है।

जान को खतरा, सुरक्षा के लिए प्रशासन से लगाई गुहार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। रिक्शा चालक यूनियन अध्यक्ष वाई के शर्मा द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के नारद सभागार में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर ई रिक्शा चालकों की समस्याओं के समाधान के साथ सुरक्षा की गुहार लगाई है। अध्यक्ष वाई के शर्मा ने बताया गया कि दिनांक 4/7 2024 को लगभग 5बजे सिविल लाइंस हनुमान मंदिर चौराहे के पास ई रिक्शा व टेंपो से अवैध धन उगाई हो रही थी जिसके सूचना मिलने पर उन्होने अवैध वसूली का वीडियो बनाकर वहां पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को दिखाकर चेताया।उन्होने अवगत कराया इस पर वहां पर पहले से वसूली कर रहे लोगों ने मंत्री इ रिक्शा यूनीयन को फोन करके बुला लिया। श्री शर्मा का आरोप है कि जब वह ट्रैफिक पुलिस कमिर्यों से बात कर रहे थे उसी समय वहां पर टेंपो यूनियन के मंत्री ने आकर मेरे साथ ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी में गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी। कहा कि हम 30 वर्ष से संगठन चला रहे हैं हमारे संगठन टेंपो वालों और इरिक्शा वालों से वसूली करता है और करता रहेगा। अगर तुम इसका विरोध करते हो तो तुमको तुम्हारे घर के अंदर से उठवा कर तुम्हारे साथ हम क्या करेंगे तुमको पता नहीं । उन्होने इरिक्शा स्टैंड के नाम से हो रही अवैध वसूली के संबंध में शासन प्रशासन कार्यवाई करने की मांग की है। वाई के शर्मा का कहना है कि हमने शासन और प्रशासन में इसकी शिकायत लिखित में की है और साथ ही साथ आईजीआरएस के द्वारा भी शिकायत को पंजीकृत कराया है । उनकी मांग यह है कि अवैध वसूली कर रहे ई रिक्शा टेंपो स्टैंड पर जो इस तरह की अवैध वसूली में संलिप्त लोग है उन पर प्रशासन द्वारा कड़ी करवाई की जाए और उन पर रोक लगाई जाए। साथ ही साथ उन्होंने येभी कहा है कि मंत्री रमाकांत से उनकी जान का खतरा है साशन द्वारा हमे सुरक्षा प्रदान किया जाए।

स्वास्थ्य विभाग को मिले 70 एनेस्थेटिस्ट, आयोग ने जारी किया सीधी भर्ती का चयन परिणाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। एनेस्थेटिस्ट के 460 पदों में 112 पद अनारक्षित श्रेणी, 164 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 127 पद अनुसूचित जाति, 11 पद अनसूचित जनजाति और 46 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यथिर्यों के लिए आरक्षित थे। यूपीपीएससी ने चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (एलोपैथी) में चिकित्साधिकारी ग्रेड-2 एनेस्थेटिस्ट के 460 पदों पर सीधी भर्ती का चयन परिणाम मंगलवार रात जारी कर दिया। आयोग ने 70 अभ्यथिर्यों को चयनित घोषित किया है। वहीं, 85 फीसदी पद अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण खाली रह गए। एनेस्थेटिस्ट के 460 पदों में 112 पद अनारक्षित श्रेणी, 164 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 127 पद अनुसूचित जाति, 11 पद अनसूचित जनजाति और 46 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यथिर्यों के लिए आरक्षित थे। 20, 21 एवं 22 जून को हुए इंटरव्यू के आधार पर आयोग ने 70 अभ्यथिर्यों को श्रेष्ठताक्रम के अनुसार चयनित घोषित किया है। सभी चयनित अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी के हैं। आयोग के संयुक्त सचिव विनोद कुमार सिंह के अनुसार अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण बाकी पद खाली रह गए। इनके पुनर्विज्ञापन की संस्तुति की गई है। चयन परिणाम में जिन अभ्यथिर्यों के नाम के आगे प्रोविजन शब्द अंकित है, उनका चयन औपबंधिक रूप से हुआ है और वांछित अभिलेख प्रस्तुत करने तक चयन औपबंधिक रहेगा।

प्रयागराज एसटीएफ को मिली बड़ी सफलता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। 100 करोड़ की ठगी करने वाले प्रयागराज के घूरपुर थाना अंतर्गत ततारगंज गाँव के रहने वाले ठग को प्रयागराज एऊइ ने महाराष्ट्र से धर दबोचा,लोगों से ठगी करने वाले ज्ञानेश पाठक के ऊपर बरेली मे 25 हज़ार और उत्तराखंड मे 50 हज़ार का इनाम घोषित है ।

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
URGENT REQUIREMENT
TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS
FOR CLASSES VI to XII
SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST, SCIENCE & COMPUTER
RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS
Walk in Interview on 23-06-2024
Interested Candidates can send their Resume on the given contacts
Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees
For more details Contact on: 7505561664, 9415017879

आधुनिक गेस्ट हाउस
• वाटर प्रूफ शेड
• पार्किंग की सुविधा
• मन्दिर की सुविधा
• सी.सी.टीवी.
• छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
• 45000 sq. feet. एरिया
• हरे-भरे वातावरण
• AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

SkyZen
INVEST IN INDIA'S FIRST SMART CITY DHOLERA SIR
INVESTMENT START FROM 7,00,000/- Lac
GREAT CHANCE TO BOOK YOUR PLOT
96 67 77 89 47 T&C APPLY
dholera A NEW ERA
Great Investment Opportunity in India's First Smart City DHOLERA SIR
Don't Think About it's Current Value
Think About it's Future Value
: OPTIONS :
Premium Plots
LAND
Residential
Industrial
Commercial
96 67 77 89 47
Most Reliable Developer in Dholera SIR
Investment Start From 7 Lac

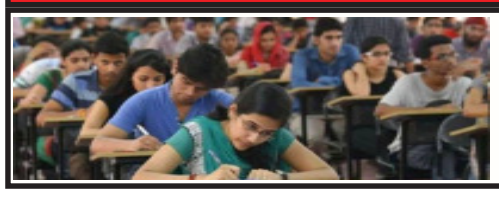

विविध

भारत

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स ने वीडियो कॉल में बताया कब होगी धरती पर वापसी

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर

अब भी फंसे हुए हैं। धरती पर वापस आने के लिए इंतजार कर रहे दोनों यात्रियों ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि बोइंग स्टारलाइनर उन्हें जल्द ही वापस ले आएगा। हालांकि दोनों की धरती पर वापसी पर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर अब भी फंसे हुए हैं। दरअसल विलियम्स और विल्मोर को 13 जून तक धरती पर वापस आ जाना था लेकिन स्पेसशिप में खराबी आने की वजह से दोनों अंतरिक्ष में फंस गए हैं। बोइंग स्पेस कैप्सूल में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी अब तक संभव नहीं हुई है। बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 5 जून को अंतरिक्ष मिशन के लिए स्टारलाइनर में सवार होकर रवाना हुए थे। नासा को उम्मीद है कि दोनों यात्रियों की जल्द वापसी होगी।

सामूहिक गोलीबारी करने वाले निकोलस क्रूज ने किया अनोखा समझौता

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा के एक हाई स्कूल में अर्ध-स्वचालित राइफल से 17 छात्रों और कर्मचारियों की हत्या करने वाले निकोलस क्रूज ने अपने पीड़ितों में से एक के साथ एक अनोखा नागरिक समझौता किया है। इस समझौते के तहत क्रूज ने अपना मस्तिष्क विज्ञान को दान करने पर सहमति जताई है। इसकी जानकारी न्यायालय के दस्तावेजों और विशेषज्ञों के अनुसार सामने आई है। अमेरिका के फ्लोरिडा के एक हाई स्कूल में 7 छात्रों और कर्मचारियों की हत्या करने वाले निकोलस क्रूज ने अपना मस्तिष्क विज्ञान को दान करने की बात कही है। बता दें कि निकोलस क्रूज ने 14 फरवरी 2018 को पार्कलैंड के मार्जोरी स्टोनमैन डगलस हाई स्कूल में 17 छात्रों और कर्मचारियों को मारने के लिएँ-15 असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल किया था।

राहुल गांधी को संसद में बंद करके थप्पड़ विवादित बयान पर मुश्किल में बीजेपी विधायक को कर्नाटक पुलिस ने भेजा नोटिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को दक्षिण कनन्ड़ जिले से बीजेपी विधायक वाई भरत शेट्टी को नोटिस जारी किया। पुलिस ने शेट्टी को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। बीजेपी विधायक ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था। कहा उस पागल को नहीं पता कि अगर भगवान शिव ने अपनी तीसरी आंख खोल दी तो वह भस्म हो जाएगा। उन्होंने हिंदू विरोधी नीति अपनाई है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक पागल

आदमी है। उन्हें लगता है कि हिंदू उनके बारे में जो कुछ भी कहेंगे उसे चुपचाप सुन लेंगे। दरअसल, भरत शेट्टी ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को उनके हिंदू विरोधी बयान के लिए संसद के अंदर बंद करके थप्पड़ मारने चाहिए। इसी बायान को लेकर कावूर पुलिस ने शेट्टी को नोटिस जारी करके तीन दिन के भीतर पेश होने को कहा है। पुलिस ने विधायक भरत के खिलाफ आपराधिक धमकी, अपमान, सार्वजनिक तौर पर बदमाशी दिखाने के तहत केस दर्ज किया है। बता दें कि इस मामले में कांग्रेस नेता अनिल कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। शेट्टी ने कहा, ठविपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद के अंदर बंद करके थप्पड़ मारना चाहिए। इसके लिए सात से आठ एफआईआर दर्ज हो जाएंगी। अगर विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलुरु शहर आते हैं, तो हम उनके लिए भी यही व्यवस्था करेंगे।ठ उन्होंने कहा, ठविपक्ष के नेता राहुल गांधी भगवान शिव की तस्वीर पकड़े हुए थे। उस पागल को नहीं पता कि अगर भगवान शिव ने अपनी तीसरी आंख खोल दी, तो वह भस्म हो जाएगा। उन्होंने हिंदू विरोधी नीति अपनाई है। यह स्पष्ट है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक पागल आदमी है। उन्हें लगता है कि हिंदू उनके बारे में जो कुछ भी कहेंगे, उसे चुपचाप सुन लेंगे।ठ बीजेपी विधायक ने दावा किया कि हिंदू धर्म और संस्थाओं की रक्षा करना भाजपा का कर्तव्य है। कांग्रेस ने यह संदेश देना शुरू कर दिया है कि हिंदू और हिंदुत्व अलग-अलग हैं। ऐसे नेताओं की वजह से भविष्य में हिंदुओं को खतरे का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि शिवाजी और महाराणा प्रताप हिंदू समुदाय में पैदा हुए थे। जब भी जरूरत होगी हम हथियार निकाल लेंगे। हम हथियारों की पूजा करने के बाद जवाबी कार्रवाई करना अच्छी तरह जानते हैं।

वो जिस रफ्तार से काम करते हैं कपिल सिब्बल ने जमकर की सीजीआई की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की जमकर तारीफ की है। कपिल सिब्बल ने कहा कि डीवाई चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट बिरादरी और

मुकदमेबाज दोनों के लिए कुछ करना चाहते हैं। इसलिए वो काफी जल्दबाजी में काम करते हैं। ऐसे में हम उनकी गति और भविष्य के बारे में सोच को लेकर आश्चर्यचकित हैं। वो हमेशा भविष्य के बारे में सोचते हैं। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के कामकाज की जमकर तारीफ की है। कपिल सिब्बल ने कहा कि सीजेआई सुप्रीम कोर्ट बिरादरी और मुकदमेबाज दोनों के लिए कुछ करना चाहते हैं। वो हमेशा भविष्य के बारे में सोचते हैं। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के सामने मल्टी फैसिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया। वकीलों की सुविधा के लिए यह मल्टी फैसिलिटेशन सेंटर बनाया गया है। बता दें कि सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के सामने मल्टी फैसिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन किया। ये सेंटर सुप्रीम कोर्ट मेन कैंपस स्थित ए-छ गेट के नजदीक है। इस समारोह के दौरान कपिल सिब्बल समेत कई दिग्गज वकील मौजूद थे। मल्टी फैसिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन करने के बाद सीजेआई ने कहा,ठयह एक बहु-सुविधा केंद्र है। वकीलों की सुविधा के लिए ये मल्टी फैसिलिटेशन सेंटर बनाया गया है। यहां वकील मामलों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। सीजेआई ने आगे कहा कि अदालत में आने वाले सभी वादी या वकीलों के पास एक ही स्थान होना चाहिए जहां वे मामले दर्ज कर सकें, मामलों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। मुझे आशा है कि इस सुविधा की सवोच्च न्यायालय द्वारा देश के सभी नागरिकों को दी जाने वाली सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाएगी।

कर्नाटक के दर्जनभर सरकारी अधिकारियों पर लोकायुक्त की छापेमारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। कर्नाटक में लोकायुक्त ने गुरुवार को लगभग दर्जनभर सरकारी अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति मामले में हुई है। दरअसल, लोकायुक्त के नौ जिलों में अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। इन अधिकारियों पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का शक है। सभी नौ जिलों के पुलिस अधीक्षकों ने लोकायुक्त के छापेमारी की निगरानी की। इसमें 56 जगहों

अधिकारियों ने 11 सरकारी अधिकारियों और इंजीनियरों के खिलाफ उनके कई ठिकानों पर छापेमारी की। लोकायुक्त के 100 अधिकारियों ने कर्नाटक के नौ जिलों में अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। इन अधिकारियों पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का शक है। सभी नौ जिलों के पुलिस अधीक्षकों ने लोकायुक्त के छापेमारी की निगरानी की। बताया गया है कि लोकायुक्त ने बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका के केंगेरी डिवीजन में तैनात एक राजस्व अधिकारी के कलबुर्गी स्थित आवास पर छापा मारा। लोकायुक्त के 100 अधिकारियों ने कर्नाटक पर तलाशी ली गई है। बताया गया है कि लोकायुक्त ने बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका के केंगेरी डिवीजन में तैनात एक राजस्व अधिकारी के कलबुर्गी स्थित आवास पर छापा मारा। वहीं, मांड्या में ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता के आवास और चित्रदुर्ग में लघु सिंचाई विभाग, बेंगलुरू के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता के आवास पर छापे मारे गए हैं। इसके अलावा कोलार के एक तहसीलदार, अधीक्षक अभियंता, कार्यकारी अभियंता और सहायक कार्यकारी अभियंता के घरों में छापे मारे गए हैं।

उपचुनाव में कहीं कम तो कहीं ज्यादा मतदान, बंगाल-बिहार में हुई हिंसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देशभर के सात राज्यों के 13 विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार को हुए उपचुनाव में कहीं मध्यम तो कहीं बहुत अधिक मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार, तमिलनाडु की विक्रवंडी विधानसभा सीट पर सबसे अधिक तो उत्तराखंड की बद्रीनाथ सीट पर सबसे कम वोट पड़े। देशभर के सात राज्यों के 13 विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार को हुए उपचुनाव में कहीं मध्यम तो कहीं बहुत अधिक मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार तमिलनाडु की विक्रवंडी विधानसभा सीट पर सबसे अधिक तो उत्तराखंड की बद्रीनाथ सीट पर सबसे कम वोट पड़े। लोकसभा चुनावों के बाद हुए इस पहले चुनाव में कई दिग्गजों और

कुछ नए उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। मतगणनना 13 जुलाई को होगी। लोकसभा चुनावों के बाद हुए इस पहले चुनाव में कई दिग्गजों और कुछ नए उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा, जिनमें हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पतनी कमलेश ठाकुर भी शामिल हैं। मतगणनना 13 जुलाई को होगी। उत्तराखंड, बिहार और बंगाल में हिंसा की छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा। बंगाल की चार विधानसभा (विस) सीटों के लिए हुए मतदान के दौरान विभिनन्न घटनाओं में 31 लोगों को गिरफ्तार किया है। बागदा, राणाघाट दक्षिण, मानिकतला व रायगंज सीटों पर शाम पांच बजे तक 62.71 प्रतिशत वोट पड़े। राणाघाट दक्षिण सीट के पायराडांगा इलाके में भाजपा की महिला पोलिंग एजेंट के घर पर बमबाजी की गई।

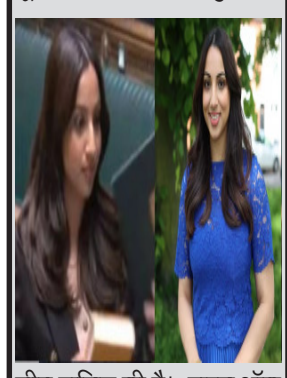

हम अपनी सेना में भारतीयों को शामिल नहीं करना चाहते थे', रूस ने बताई भर्ती करने की वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस (घ्र्त-र्ले र्िदह) दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कई मुद्दों पर वार्ता की। पीएम ने पुतिन से द्विपक्षीय बैठक भी की, जहां आर्थिक मोर्चे से लेकर रूस-यूक्रेन युद्द पर भी बात हुई। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ वार्ता में व्यापार और आर्थिक संबंधों को पर फोकस रखा। पीएम ने इसी के साथ वहां कार्यरत भारतीयों को वापस भेजने की व्यवस्था का भी मुद्दा उठाया जिस पर रूस ने

साथ देने का आश्वासन भी दिया। अब रूसी सेना में भारतीयों को शामिल करने के मुद्दे पर भी रूस का बयान सामने आया है। इस दौरान पीएम ने युद्ध के दौरान रूसी सेना में भारतीयों को शामिल करने का भी मुद्दा उठाया। जिसपर रूसी राजदूत रोमन बाबुश्किन का अब बयान सामने आया है। रूस ने अपनी सेना में किसी अभियान के तहत भारतीयों को भर्ती की बात से साफ तौर पर इनकार किया है। भारत में रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने कहा कि रूस ने अपनी सेना में भारतीयों को किसी अभियान के तहत शामिल नहीं किया और न वो ऐसा चाहता है। इसी के साथ राजदूत ने यह भी आश्वासन दिया कि चाहे जिस भी स्थित में भारतीय वहां की सेना में शामिल हुए हों, उन्हें जल्द भारत भेजा जाएगा। बता दें कि पीएम मोदी द्वारा ये मुद्दा उठाए जाने के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सभी भारतीयों को स्वदेश भेजने की बात कही थी। राजदूत ने आगे कहा कि हमने किसी भी भारतीय को सेना में शामिल करने का अभियान नहीं चलाया और न ही कोई विज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि अभी अधिकतम सौ भारतीय वहां की सेना के साथ जुड़े हों, लेकिन रूस की सेना के आकार को देखते हुए यह बहुत ही कम है। राजदूत ने कहा कि हम भारत सरकार के साथ है।

कौन हैं भगवत गीता पर हाथ रखकर संसद में शपथ लेने वाली लीसेस्टर ईस्ट की सांसद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ब्रिटेन में 14 सालों बाद लेबर पार्टी की सरकार बनी है। वहीं, इस बार भारतीय मूल के 29 सांसदों को आम चुनाव में जीत मिली। लेबर पार्टी के 19 भारतीय सांसद चुनकर हाउस ऑफ कॉमंस जाएंगे। वहीं, कंजरवेटिव पार्टी से 7 भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने चुनाव में

जीत हासिल की है। हाउस ऑफ कॉमंस में शपथ ग्रहण के दौरान शिवानी राजा के हाथों में गीता की किताब थी। उन्होंने गीता की किताब को अपने हाथ में रखकर सांसद की शपथ ली। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। ब्रिटेन में भारतीय समुदायों के बीच शिवानी राजा काफी लोकप्रिय हैं। कंजरवेटिव उम्मीदवार के तौर पर उन्होंने लेबर पार्टी के उम्मीदवार को हराया है।

यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले में आरोपी युवक के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करेगी सीबीआई छेड़छाड़ वाला स्क्रीनशॉट किया था वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेपर लीक मामले को लेकर अभी भी जांच जारी है। बता दें कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने ये परीक्षा 19 जून को रद्द कर दी थी। रद्द कर दी गई थी उन्होंने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस प्रकरण में कोई बड़े पैमाने पर साजिश नहीं मिली है और आरोप पत्र को धोखाधड़ी के प्रयास या

इसके बाद इस मामले की जांच ँघ् को सौंपी गई थी। पेपर लीक मामले में ँघ् एक्शन मोड में नजर आ रही है। बता दें कि सीबीआई इस मामले में उस युवक के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर सकती है जिसने टेलीग्राम पर यूजीसी-नेट प्रशन्पत्र का छेड़छाड़ किया हुआ स्क्रीनशॉट कथित तौर पर वायरल किया था। इसके बाद ही परीक्षा रद्द कर दी गई थी वहीं, अब सीबीआई इस मामले में उस युवक के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर सकती है जिसने टेलीग्राम पर यूजीसी-नेट प्रशन्पत्र का 'छेड़छाड़' किया हुआ स्क्रीनशॉट कथित तौर पर वायरल किया था। इस स्क्रीनशॉट के बाद ही केंद्रीय गृह मंत्रालय से संभावित 'उल्लंघन' के बारे में अलर्ट मिलने के बाद परीक्षा धोखाधड़ी के अपराधों तक सीमित रखा जाएगा अधिकारियों ने बताया कि कथित यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में पाया गया कि 18 जून की परीक्षा के लिए लीक हुए प्रशन्पत्र के स्क्रीनशॉट से एक स्कूली छात्र ने छेड़छाड़ की थी उन्होंने बताया कि सीबीआई ने अनौपचारिक रूप से सरकार को अपने निष्कर्षों से अवगत करा दिया है और युवा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने की संभावना है इस परीक्षा के लिए 11 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था, जो जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पीएचडी में प्रवेश के लिए पात्रता निर्धारित करती है केंद्रीय गृह मंत्रालय की भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इव की चेतावनी के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 19 जून को परीक्षा रद्द कर दी थी शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षा रद्द होने के बाद कहा था, यूजीसी को गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई से परीक्षा के संबंध में कुछ इनपुट मिले थे। इन इनपुट से प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि उक्त परीक्षा की सत्यनिष्ठा से समझौता किया गया है मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जिसके बाद पता चला कि पेपर का कथित स्क्रीनशॉट स्कूल के छात्र ने एक ऐप का उपयोग करके बनाया था। उन्होंने कहा कि उसने स्क्रीनशॉट की तारीख 17 जून कर दी थी ताकि कुछ पैसे कमाए जा सकें और लोगों को यह आभास हो कि उसकी पहुंच प्रशन्पत्र तक है। उन्होंने बताया कि युवक ने यह आभास देने की कोशिश की कि वह बाद में होने वाले विषय-विशिष्ट पेपर की व्यवस्था कर सकता है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने फोरेंसिक विशेषज्ञों से परामर्श किया, जिन्होंने कहा कि स्क्रीनशॉट के साथ छेड़छाड़ की गई है। सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को घ्4ण् से यह जानकारी मिली थी कि पेपर डार्कनेट पर उपलब्ध है और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर 5-6 लाख रुपये में बेचा जा रहा है, जिसके आधार पर परीक्षा रद्द कर दी गई।

रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पूरी कर प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे दिल्ली, ऑस्ट्रिया के चांसलर का जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस और ऑस्ट्रिया की अपनी दो देशों की यात्रा पूरी करने के बाद गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो दिवसीय रूस की यात्रा पूरी कर आज सुबह दिल्ली पहुंचे। इसके बाद पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया और ऑस्ट्रिया के चांसलर सरकार और लोगों को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपनी यात्रा को काफी प्रोडक्टिव और ऐतिहासिक बताया। अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद, पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया और ऑस्ट्रिया के चांसलर, सरकार और लोगों को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यह यात्रा काफी प्रोडक्टिव थी और पीएम मोदी ने इसे 'ऐतिहासिक' बताया। ऑस्ट्रिया की

मेरी यात्रा ऐतिहासिक और अत्यंत उत्पादक रही है। हमारे देशों के बीच मैत्री में नई ऊर्जा जुड़ी है। मुझे वियना में विविध कार्यक्रमों में भाग लेने की खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, चांसलर र्ल्हर्प्सी, ऑस्ट्रियाई सरकार और लोगों के आतिथ्य और सन्हे के लिए आभार। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को वियना में एक सामुदायिक कार्यक्रम में भी भाग लिया और कहा कि उनकी दोस्ती के 75 साल पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर यह इंतजार खत्म हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने उत्साहपूर्ण स्वागत पर आभार और प्रसनन्ता व्यक्त की, और स्वीकार किया कि यह एक ऐतिहासिक क्षण था, क्योंकि 41 वर्षों के अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रिया का दौरा किया। समुदाय ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया और इस कार्यक्रम ने भारत और उसके प्रवासा समुदाय के बीच मजबूत संबंध को प्रदर्शित किया। इसके बाद, ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने प्रधानमंत्री मोदी की ऑस्ट्रिया की सफल राजकीय यात्रा के आयोजन में शामिल टीमों की सराहना की। इसके अलावा, एक्स पर एक पोस्ट में चांसलर नेहमर ने विदेश मंत्रालय, संघीय सेना, पुलिस, प्रोटोकॉल अधिकारियों और पर्दे के पीछे के कई अन्य लोगों सहित कई व्यक्तियों और टीमों के समर्पण और कड़ी मेहनत को स्वीकार किया। उन्होंने यात्रा की पेशेवर योजना, संगठन और निष्पादन के लिए उनका धन्यवाद किया। नेहमर ने कहा, नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया जैसी बड़ी राजकीय यात्रा के लिए दर्जनों कर्मचारी कई सप्ताह तक कड़ी मेहनत करते हैं। यात्रा के दिन सैकड़ों और कर्मचारी इसमें शामिल होते हैं। उन्होंने कहा, पेशेवर योजना, सावधानीपूर्वक आयोजन और सही क्रियान्वयन के लिए र्शईर्ल्रे, र्ट्र की टीमों के साथ-साथ संघीय सेना, पुलिस, प्रोटोकॉल और पृष्ठभूमि में मदद करने वाले कई लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद। सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा की सराहना करते हुए ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर और प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रियाई लोगों में योग के साथ-साथ आयुर्वेद में बढ़ती रुचि का भी उल्लेख किया।

इसरो जासूसी मामले के पीछे थी गहरी साजिश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
तिरुअनंतपुरम। विज्ञानी नंबी नारायणन को झूठे मामले में फंसाने वाला इसरो जासूसी मामला एक गहरी साजिश थी। सीबीआई के अनुसार, कथित तौर पर केरल पुलिस के एक तत्कालीन विशेष शाखा अधिकारी द्वारा मालदीव की महिला की भारत में अवैध हिरासत को उचित ठहराने के लिए यह साजिश रची गई थी, क्योंकि उसने अधिकारी से संबंध बनाने के इन्कार कर दिया था।इसरो के वैज्ञानिकों के

जासूसी मामले के पीछे सीबीआई ने गहरी साजिश का हाथ होना बताया है। सीबीआई ने मामले में चार्जशीट दाखिल करते हुए खुलासा किया है कि पुलिस के कुछ अधिकारियों ने इस साजिश को अंजाम दिया था। सीबीआई के अनुसार मालदीव की महिला की भारत में अवैध हिरासत को उचित ठहराने के लिए यह सब किया गया था। सीबीआई ने जासूसी मामले में नारायणन और मालदीव की दो महिलाओं सहित पांच अन्य को कथित तौर पर फंसाने के लिए पांच पूर्व पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दायर आरोप पत्र में यह आरोप लगाया है। आरोपपत्र जून के आखिरी सप्ताह में दायर किया गया था, जिसे बुधवार को सार्वजनिक किया गया। सीबीआई ने कहा है कि तत्कालीन विशेष शाखा अधिकारी एस विजयन ने मालदीव की नागरिक मरियम रशीदा के यात्रा दस्तावेज और हवाई टिकट ले लिए थे। विजयन को पता चला कि वह इसरो विज्ञानी डी शशिकुमारन के संपर्क में थी और उसके आधार पर रशीदा और उसकी दोस्त फौजिया हसन पर निगरानी रखी गई। रशीदा को वैध वीजा के बिना देश में अधिक समय तक रहने के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। जब हिरासत समाप्त होने वाली थी, तो विजयन द्वारा प्रस्तुत झूठी रिपोर्ट के आधार पर उसे और हसन को एक मामले में फंसाया गया और उनकी हिरासत एसआईटी को सौंप दी गई।

मिर्ज़ापुर

मिर्जापुर के विकास भवन में भी चयनित लेखपालों को वितरण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित लेखपालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद रामसकल, एमएलसी विनीत सिंह,सदर विधायक रतनकर मिश्रा, मडि.हान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल,छानबे विधायक रिंकी कोल,

लखनऊ में बांटे नियुक्ति पत्र, मिर्जापुर के विकास भवन में भी चयनित लेखपालों को वितरण किया गया नियुक्ति प्रमाण पत्र, मिर्जापुर में 119 में से 100 को किया गया वितरण, 98 मिर्जापुर में 2 को लखनऊ में दिया गया नियुक्ति पत्र,19 का नियुक्ति प्रमाण पत्र किसी कारण रुका,इस दौरान राज्यसभा सहकारी समिति के चेयरमैन जगदीश पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी के साथ डीएम प्रियंका निरंजन, सीडीओ विशाल कुमार, सीआरओ सत्य प्रकाश सिंह, एसडीएम सदर आशा रामा वर्मा,लालगंज एसडीएम गुलाब चंद्र और मडि.हान चुनार के भी एसडीएम रहे मौजूद।

एक लाख श्रद्धालुओं ने किए मां विंध्यवासिनी के दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
विंध्याचल। गुप्त नवरात्र की पंचमी तिथि पर बुधवार को एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मां विंध्यवासिनी की पंचमी तिथि पर कई साधक मंदिर की छत पर पाठ करते दिखे। काफी संख्या में लोग जनेऊ और मुंडन संस्कार भी कराते दिखे। मां

के दर्शन-पूजन किए। भोर में मंगला आरती के बाद से शुरू हुए दर्शन-पूजन का सिलसिला दिन भर चलता रहा। गंगा में सनन के बाद मंदिर पहुंचकर श्रद्धालु मां विंध्यवासिनी की एक झलक पाने के लिए बेताब रहे।बुधवार को सुबह गंगा घाटों पर पहुंच कर सनन के बाद श्रद्धालु मंदिर परिसर में कतारबद्ध दिखे। मंगला आरती के बाद मंदिर का कपाट खुलते ही माता के जयकारे से मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। गुप्त नवरात्र विंध्यवासिनी के दर्शन के बाद ज्यादातर श्रद्धालुओं ने काली खोह तथा अष्टभुजा मंदिर पहुंच कर मां काली और अष्टभुजा देवी के भी दर्शन किए। उधर, पक्का घाट, गुदारा घाट, इमली घाट, कच्चा घाट, दीवान घाट, राम गया घाट सहित बाकी घाटों पर जगह-जगह माला- फूल तथा गंदगी के चलते सननाथियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। काली खोह और अष्टभुजा देवी मंदिर क्षेत्र में जगह-जगह गंदगी दिखी।

बच्चो के सुरक्षा एवं संरक्षण के विषय पर की गयी चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार को पुलिस लाइन चुर्क,जनपद सोनभद्र के सभागार में पुलिस महानिदेशक, महिला सम्मान प्रकोष्ठ,उ0प्र0, लखनऊ के आदेश व पुलिस अधीक्षक महोदय बोर्ड से निर्गत सम्मन की तमिला, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी/ विवेचक के समक्ष आ रही समस्याएं , बालश्रम व बाल विवाह की रोकथाम आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी

के निर्देश के क्रम में एसजेपीयू एवं एएचटी की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक अपर पुलिस अधीक्षक (आपरेशन) त्रिभुवननाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपनन्की गई। उक्त बैठक में पास्को एक्ट के मुकदमों में पीडि.िता को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने व पास्को के मामलों में प्रारूप क व प्रारूप ख भरने तथा किशोर न्याय सदर/कार्यालय, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, सदस्य बाल कल्याण समिति, जिला प्रोवेशन कार्यालय, जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग से श्रम प्रवर्तन अधिकारी,चाइल्ड लाइन,बाल गृह बालिका , वन स्टॉप सेन्टर थाना एएचटी,एसजेपीयू व सभी थाने के बाल कल्याण अधिकारी तथा हेड मुहर्रिर/ कांस्टेबल मुहर्रिर उपस्थित रहे।

मोपेड सवार से जंगल के रास्ते में हुई छीनैती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पटेहरा। संतनगर थाना क्षेत्र के पटेहरा कला के सूअरहा जंगल में कोटवा सिरसी मार्ग पर मंगलवार की रात बाइक सवार तीन बदमाश मोपेड सवार से 3500 रुपये नकद, मोबाइल फोन और जरूरी कागजात छीनकर फरार हो गए। पीडि.ित ने थाने में तहरीर दी है। पिउरी गांव निवासी सोनू ने संतनगर थाने में तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को मिर्जापुर शहर गए थे। रात करीब साढ़े आठ बजे घर लौटते समय सूअरहा जंगल में पटेहरा की ओर से आ रहे एक ही बाइक सवार तीन लोगों ने रास्ते में मोपेड रोक लिया और जेब में रखा मोबाइल फोन, पर्स में रखे 3500 रुपये, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि जरूरी कागजात छीन लिया। विरोध करने पर जान से मारने पर आमादा हो गए। इससे पहले अगस्त 2023 में पटेहरा कला के स्वर्ण व्यवसायी का दो ग्राम सोना, दो सौ ग्राम चांदी के साथ 30 हजार रुपये नकद बदमाशों ने छीन लिया था। जिसका आज तक खुलासा नहीं हो सका है।

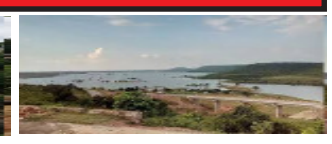

सोनभद्र

सीतापुर में 25,000/- रुपये का इनामिया शातिर अपराधी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सीतापुर। सीतापुर,एसओजी एवं थाना खैराबाद की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना खैराबाद क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रहिमाबाद पुल थाना खैराबाद के पास से मु0अ0सं0 178/24 धारा 3/5 गोवध निवारण अधिनियम तथा 11 पशु क्रुरता अधिनियम थाना खैराबाद सीतापुर में वांछित 25,000/- रुपये का इनामिया शातिर अपराधी बाबर पुत्र फकीरे निवासी टांडा गुरसंडा थाना पिसावां जिला सीतापुर को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर, 02 अदद जिंदा व 02 अदद खोखा (कुल 04 अदद कारतूस) 315 बोर, एक अदद मोटर साइकिल व चार हजार दो सौ (4200) रुपये नकद बरामद किया गया है, गिरफ्तार अभियुक्त शातिर एवं अभ्यस्त किस्म का अपराधी है।

जमीन संबंधी विवाद में मारपीट किशोरी समेत चार घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
राजगढ़। पडरवा गांव में जमीन संबंधी पुराने विवाद में बुधवार की सुबह दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट की इस घटना में एक किशोरी समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी राजगढ़ ले जाया गया।पडरवा गांव निवासी 54 वर्षीय बेचन ने बताया कि पड़ोसी से उनका लंबे समय से जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। बुधवार की सुबह खेत की जोताई करने गया था। उसी दौरान विपक्षियों से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर विपक्षियों ने लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। मारपीट की इस घटना में 54 वर्षीय बेचन, 48 वर्षीय पप्पू देवी, 50 वर्षीय तौलन तथा 15 वर्षीय नीलम घायल हो गईं। सभी को सीएचसी राजगढ़ ले जाया गया। राजगढ़ थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि जमीन संबंधी पुराने विवाद में दो पक्षों में मारपीट होने की तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

दुष्कर्म के दोषी विकास प्रजापति को उम्रकैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दो वर्ष पूर्व 15 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर

सिंह की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी विकास प्रजापति को उम्रकैद एवं दो लाख रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर छह माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख 40 हजार रूपये पीडि.िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीडि.िता के पिता ने करमा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी जो कक्षा 8 में पढ़ती थी को 3 मई 2022 की रात 11 बजे जब वह बारात देखकर लौट रही थी तभी रास्ते में विकास प्रजापति पुत्र स्वर्गीय दुखन्तु तथा रिंकू प्रजापति निवासी केकराही, थाना करमा, जिला सोनभद्र उसकी नाबालिग बेटी को खेत मे ले गए और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। जब बारात देखकर कुछ महिलाओं को आते हुए देखा तो छोड़ कर दोनों भाग गए। बेटी घर आकर अपनी मां से घटना की सारी बात बताई। गरीब होने एवं लोक लाज की डर से किसी को नहीं बताया। जब गांव घर मे चर्चा होने लगी तब 112 नम्बर पुलिस को फोन से सूचना देकर बुलाया। उसके बाद 6 मई 2022 को करमा थाने में दी तहरीर पर पुलिस ने सामूहिक बलात्कार , एससी/एसटी एक्ट और पाक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। दौरान विवेचना विवेचक ने बयान लेने के बाद पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में सामूहिक दुष्कर्म , एससी/एसटी एक्ट और पाक्सो एक्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। किंतु रिंकू प्रजापति की उम्र 18 वर्ष से कम होने की वजह से उसकी पत्रावली किशोर न्याय बोर्ड भेज दी गई। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी विकास प्रजापति को उम्रकैद एवं दो लाख रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर छह माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख 40 हजार रूपये पीडि.िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस टीम ने 04 नफर जनपदीय लूटेरों को किया गिरफ्तार, लूटी गयी सोने की चैन, मंगलसुत्र, दो अदद मोबाइल व एक अदद तंमचा 315 बोर मय कारतूस झाल, मोबाइल व 2000 रुपये छीन लिया गया । उक्त घटना की प्राप्त सूचना पर थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-500/2024 धारा 308(5) भारतीय न्याय संहिता का अभियोग पंजीकृत किया गया ।

बरामद - प्रकरण- दिनांक-09.07.2024 को आवेदक महेश कुमार पुत्र अमृत लाल निवासी महोखर, थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर लिखित सूचना दी गयी कि दिनांक-08.07.2024 को मै और मेरी पतिन् अपनी मोटरसाइकिल से पुलिस लाइन से सर्किट हाउस के तरफ जा रहे थे कि बीच रास्ते में लघु शंका के लिए रुके तभी 04 से 05 अज्ञात लोगों द्वारा हम दोनो दम्पत्ति को घेर कर तमंचा दिखाते हुए जान से मारकर इसी जंगल में फेक देने की धमकी देते हुए मेरी पतिन् का सोने का चैन, मंगल सुत्र, कान का उक्त घटना की शीध्र अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर को विशेष निर्देश देते हुए पुलिस की टीम गठित की गयी । उक्त प्राप्त निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पर गठित पुलिस टीम ने घरातलीय सूचना तैयार कर त्वरित कार्यवाही करते हुए आज दिनांक-11.07.2024 को समय 10.40 बजे मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के सोन कैनाल पम्प के पास बने वर्कशाप, चुर्क से लूट की घटना कारित करने वाले 04 अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर उनेक कब्जे से एक सोने की चैन, एक मंगल सुत्र, एक सोने की लाकेट, दो अदद मोबाइल, एक अदद तमंचा 315 बोर मय एक अदद कारतूस व 830 रुपये नगद बरामद किया गया । उक्त बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग की धारा 309(4), 317(2), 317(4) भारतीय न्याय संहिता व 3/25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गयी । **पूछताछ का विवरण-** गिरफ्तार अभियुक्तगण ने बताया कि हम लोग एक साथ संगठित होकर पैसा कमाने के उद्देश्य से आस-पास के क्षेत्रों में सनन्टा जगहों पर तमंचा दिखाकर व डरा धमकाकर दम्पत्ति, आने वाले परिवार वालों को तथा इधर-उधर धूमने वाले लडके-लड़कियों के सामानों व पैसों को लूट लेते है तथा आपस मे पैसों व सामानों का बटवारा कर लेते है जिससे हम लोगों अपने खर्च व शौक को पूरा करते है । **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-** 1.ओमप्रकाश पुत्र स्व0 चरकू उम्र लगभग 23 वर्ष निवासी घसिया बस्ती रौप, थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । 2.लाल पुत्र नरेश उम्र लगभग 19 वर्ष निवासी घसिया बस्ती रौप, थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । 3.मदन पुत्र सोमारु उम्र लगभग 19 वर्ष निवासी घसिया बस्ती रौप, थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । 4.श्रीराम पुत्र नरायन उम्र लगभग 19 वर्ष निवासी घसिया बस्ती रौप, थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र ।

37 बाढ़ चौकियों पर रहेगी डॉक्टरों की टीम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन की तरफ से राहत तथा बचाव की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राहत के लिए जिला अधिकारी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश प्रसाद ने बताया कि बाढ़ राहत संक्रामक रोग नियंत्रण कायर्योजना तैयार कर ली गई है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को

स्तरीय रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की 37 बाढ़ चौकियों के लिए डॉक्टरों की टीमें गठित की गई हैं। जो बाढ़ से पहले, बाढ़ के दौरान और बाढ़ के बाद भी काम करेंगी। टीमें लोगों का उपचार करने के साथ दवा उपलब्ध कराने का काम भी करेंगी।जिला स्तरीय नोडल चिह्नित करने का पूरा कर लिया गया है। बाढ़ की संभावना के मद्देनजर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं। वहां चिकित्साधिकारी के अलावा स्वास्थ्य कमिर्यों की ड्यूटी लगा दी गई है। प्रत्येक बाढ़ चौकी पर जरूरी दवाओं के अलावा क्लोरीन टेबलेट, क्लोरोक्वीन की गोलियां आदि उपलब्ध रहेंगी। बाढ़ से गुरसंडी, चील्ह, कछवां, सीखड़, चुनार, जमालपुर, पड़री एवं विजयपुर में लगभग 307 ग्राम पंचायतों के 2770 परिवारों के प्रभावित होने की आशंका है। बाढ़ प्रभावित लोगों को शुद्ध पेयजल के लिए क्लोरीन टेबलेट तथा कुओं के पानी को संक्रमित होने से बचाने के लिए ब्लीचिंग पाउडर की आवश्यकता होगी। इसकी व्यवस्था कर ली गई है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मरीजों की चिकित्सा के लिए सभी बाढ़ चौकियों पर चिकित्सा अधिकारी के अलावा स्वास्थ्य कर्मी जरूरी दवाओं के साथ मौजूद रहेंगे। प्रत्येक बाढ़ प्रभावित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर एंबलेंस की व्यवस्था की गई है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर मरीजों को तत्काल एंबुलेंस से पीएचसी पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था की जाएगी। अति गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल भेजा जाएगा। एंटी वेनम भी उपलब्ध कराई गई है। बाढ़ खत्म होने के बाद महामारी रोकने के उपाय किए जाएंगे। पेयजल स्रोतों को विसंक्रमित किया जाएगा। क्लोरीन की गोलियां और ब्लीचिंग पाउडर का वितरण घर-घर किया जाएगा।

जनसंख्या नियंत्रण कानून लागु करने की मांग लेकर दिया धरना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन के जिला अध्यक्ष बीएन गुप्ता ने नेतृत्व मे पदाधिकारियों एंव कार्यकर्ताओं ने गुरुवार के दिन कलक्ट्रेट पर धरना दिया।उन्होंने प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम

को सौप कर अविलंब जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग की।उनका कहना था कि 143 करोड़ से अधिक आबादी का भार वहन कर रहे भारत मे जनसँख्या विस्फोट से उत्पनन् संसाधन,सामाजिक,आर्थिक एंव पर्यावरणीय संकट के साथ जनसांख्यिकीय असंतुलन के प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है जिससे गृह युद्ध की आशंका बढ़ रही है। जनसंख्या विस्फोट की प्रभावी नियंत्रण के लिए ठजनसंख्या नियंत्रण कानूनठ की मांग पर देश का समर्थन जुटाने के लिए विगत 10 बषी से अधिक समय से ठजनसंख्या समाधान फाउन्डेशनठ द्वारा देशभर मे हजारो छोटी- बड़ी सभाए बड़ी-बड़ी रैलिया,ज्ञापन, सेमिनार,पदयात्राएं और रथयात्राएं आयोजित की जा रही है।9 अगस्त 2018 को 125 सांसदों के हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र चार सांसदो के सयुंक्त प्रतिनिधिमंडल द्वारा राष्ट्रपति से मुलाकात कर चर्चा कर कानून बनाने की मांग कर पत्र सौपा था।फाउंडेशन की ओर से आज के दिन ठजनसंख्या नियंत्रण कानूनठ बनाने की मांग को लेकर एकसाथ 400 से अधिक जिलों में अभियान चलाया जा रहा है।उसी के क्रम मे यहा भी फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने कानून की मांग को लेकर कलक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री भारत सरकार को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप मे कलक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया है।इस अवसर पर मुख्य रूप से रामशरण गुप्ता,पुर्व प्रधान मारकुंडी श्रवण कुमार गुप्ता, हिरावती देवी,रेहाना बानो, गोविन्द, प्रेमचन्द, जोखन गुप्ता, सिकन्दर, राजेश कुमार, बजरंगी आदि लोग मौजूद रहे।

पीडित के पिता ने पुलिस अधीक्षक से न्याय दिलाने की गुहार लगाया

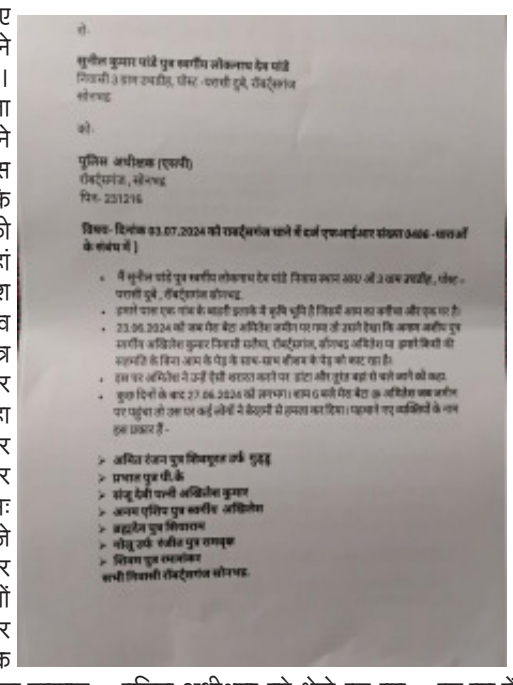

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बहुचर्चित ऊंचडीह वायरल विडियो मामले में पीडि.ित अमितेश पाण्डेय के पिता ने पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक द्वारा पत्र भेजकर घटी घटना का पुरा जिक्र करते हुए अमितेश को न्याय दिलाने की गुहार लगाया है। पीडि.ित अमितेश के पिता सुनील कुमार पाण्डेय ने पत्र के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को बताया कि ऊंचडीह गांव से दूर उनकी खेती की जमीन है जहां 23 जून को बेटा अमितेश गया तो सलैया गांव निवासी आशीष पुत्र अखिलेश वहां आम और शीशम का पेड़ काट रहा था। ऐसा देखकर अमितेश ने उसे डांटकर भगा दिया उस दिन। पुनः 27 जून को शाम छः बजे जब अमितेश खेत पर गया तो वहां कयी लोगों ने मिलकर अमितेश पर हमला कर दिया और एक साथ मिलकर उसका गला दबाकर उसे मारने की कोशिश करने लगे। अपना बचाव जब अमितेश ने किया तो खींचकर एक पेड़ से बांध दिया फिर मोटे डंडे, जूते चप्पल और अज्ञात हथियार से बेरहमी से मारने बताया कि हमलावरों ने अमितेश के पेट पर गंभीर वार किया जिससे वह बेहोश हो गया बावजूद इसके हमलावरों ने मारना जारी रखा। पीडि.ित अमितेश के पिता सुनील कुमार पाण्डेय ने पत्र के माध्यम से यह भी बताया कि हमलावरों ने अमितेश को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जाति सूचक गालियां दीं और ब्राम्हण समाज पर अभद्र टिप्पणी करते रहे। हमलावरों ने जाति सूचक गालियां देते हुए हिंसा का पुरा विडियो भी खुद बनाया और अमितेश से कहा कि सोशल मीडिया पर इसे वायरल (पोस्ट) कर पूरे जनपद में प्रसारित करते हुए तुम्हें और जाति को सबक सिखाएंगे।

पुलिस अधीक्षक को भेजे गए पत्र में यह भी बताया कि गिरोह बनाकर लड़के को मार रहे लोगों ने अमितेश को धमकी भी दिया कि यदि एफआईआर दर्ज करवाया तो उसे एससी-एसटी एवं पोक्सो मामलों में फंसाया जायेगा। उन्होंने अमितेश को कैमरे के सामने उल्टा-सीधा बयान देने को विवश किया और घटना के बाद भी मानसिक रुप से प्रताडि.ित किया। उक्त घटना के बाद अमितेश मानसिक आघात में था। पीडि.ित के पिता ने बताया कि उक्त घटना की जानकारी उन्हें तब हुई जब सोशल मीडिया पर वायरल विडियो किया गया आरोपियों द्वारा। उसके बाद तत्काल तीन जुलाई को थाना रावर्रटसगंज जाकर पुलिस को घटना से अवगत कराया और उसी दिन एफआईआर भी दर्ज कर लिया गया। लेकिन एफ?आईआर में वर्णित धाराओं को देखकर आश्चर्य हुआ कि दर्ज एफआईआर संस्करण में कहीं भी अपराध की गंभीरता को नहीं दर्शाया गया है, इसे सिर्फ सामान्य हाथापाई माना गया है। पीडि.ित के पिता ने लिखा है कि मेरे बेटे के साथ बेरहमी से मारपीट करने और गला घोटकर उसे मारने की कोशिश करने के साथ उसके पेट पर गंभीर चोट करने के जघन्य अपराध के लिए अपराधियों पर लगाए गए आरोप से निराश होकर एफआईआर में सुधार का अनुरोध किया लेकिन थाना पुलिस द्वारा हमारे अनुरोध पर कोई कार्रवाई न करते हुए बाहर निकाल दिया गया। पिता सुनील पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक को भेजे गए पत्र में लिखा है कि यह मामला स्पष्ट रूप से माब लिंचिंग, हत्या का प्रयास , सांप्रदायिक हिंसा, आपराधिक साजिश, आईटी अधिनियम में अपराध, शारीरिक नुकसान पहुंचाने की कोशिश, मानव शरीर पर हिंसा , गंभीर चोट का मामला है। इसकी जानकारी थाना पुलिस को दी गई थी लेकिन एफआईआर संस्करण में इन गंभीर आरोपों को नजरंदाज कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक को पूरी घटना क्रम से अवगत कराते हुए पीडि.ित के पिता ने अमितेश को न्याय दिलाने की गुहार पुलिस अधीक्षक से लगाते हुए थाना पुलिस को एफआईआर में आवश्यक बदलाव करने की मांग किया है।

स्पोर्ट्स

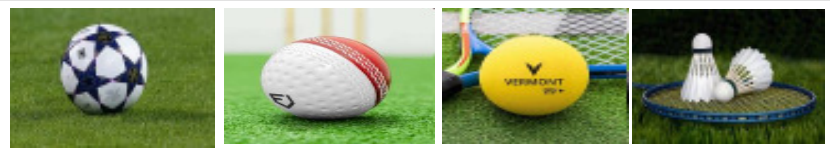

क्रिकेट की 'वंडर बेबी' बनी चार साल की रिषिका

हरभजन सिंह ने गेंद से मचाया कोहराम, 4 विकेट लेकर तोड़ी अफ्रीका की कमर; सेमीफाइनल में भारत ने शान से मारी एंट्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियंशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 के 15वें मैच में साउथ अफ्रीका चैंपियंस का सामना इंडिया चैंपियंस की तरफ से 4 विकेट झटके लेकिन युसूफ पठान के अलावा टीम के लिए कोई अच्छी बैटिंग नहीं कर सका। टीम की तरफ से जैक्स पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बैटर कुछ खास परफॉर्म नहीं कर सका। वहीं, इंडिया चैंपियंस की तरफ से हरभजन सिंह ने गेंद

चैंपियंस से हुआ, जिसमें साउथ अफ्रीका को 54 रन से हार मिली। मैच में इंडिया चैंपियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 210 रन का स्कोर बनाया। जैक्स सिन्मैन और रिचर्ड लेवी की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने इंडिया चैंपियंस को 54 रन से मात दी। इस मैच में मिली हार के बावजूद इंडिया चैंपियंस ने वर्ल्ड लीजेंड ऑफ चैंपियंशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस मैच में इंडिया सनेमन के बल्ले से 73 रन निकले। उनके अलावा रिचर्ड ने 60 रन की पारी खेली। इसके बाद 211 रन का पीछा करते हुए इंडिया चैंपियंस की टीम 156 रन ही बना सकी। मैच में भले ही इंडिया चैंपियंस की टीम को हार मिली हो, लेकिन हरभजन सिंह ने गेंद से कोहराम मचाते हुए 4 विकेट झटके। दरअसल, पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका चैंपियंस की शुरुआत खराब रही। रियान 13 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हुए। जैक्स सनेमन ने 43 गेंदों का सामना करते हुए 73 रन बनाए। रिचर्ड लेवी ने 60 रन की से कोहराम मचाया और कुल 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके अलावा पवन नेगी, धवल कुरकर्णी, विनय कुमार, युसूफ पठान को एक-एक सफलता मिली। 211 रन का पीछा करते हुए इंडिया चैंपियंस की टीम की तरफ से रोबिन उथप्पा 23 रन बनाकर आउट हुए। नमन ओझा 5 रन ही बना सके। सुरेश रैना ने 21 रन की पारी खेली। युसूफ पठान ने 44 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 54 रन की पारी खेली। इरफान पठान ने 35 रन बनाए। इस तरह इंडिया चैंपियंस 6 विकेट खोकर 156 रन ही बना सकी।

भारतीय टीम ने रचा इतिहास, टी20 इंटरनेशनल में अब तक कोई भी देश नहीं कर पाया यह कारनामा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इन दिनों जिम्?बाब्?वे के दौरे पर है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के तीसरे मैच में भारतीय टीम ने जिम्?बाब्?वे को 23 रन से हराया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने करना पड़ा है। 5 मैच टाई रहे हैं और 6 मैच बेनतीजा रहे हैं। टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्?यादा मैच जीतने वाली अन्?य टीमों की बात करें तो इस लिस्?ट में दूसरे पर पाकिस्?तान है। पाक टीम ने 245 मैच खेले हैं और 142 में जीत दर्ज की है। सूची में तीसरे पर न्?यूजीलैंड, चौथे पर ऑस्?ट्रेलिया,

इतिहास रच दिया। इंडिया टी20 इंटरनेशनल में 150 मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई है। अब तक कोई भी देश ऐसा नहीं कर पाया है।भारत और जिम्?बाब्?वे के बीच 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला हरारे में खेला गया। भारतीय टीम ने यह मैच 23 रन से जीता। इसके साथ ही भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया। इंडिया टी20 इंटरनेशनल में 150 मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई है। अब तक कोई भी देश ऐसा नहीं कर पाया है भारतीय टीम ने अब तक 230 मैच खेले हैं। इस दौरान टीम ने 150 मैच जीते हैं। 69 में टीम को हार का सामना 5वें पर साउथ अफ्रीका और छठे पर इंग्लैंड है। मुकाबले की बात करें तो भारतीय कप्?तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। पहले बल्?लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 182 रन बनाए। जवाब में जिम्?बाब्?वे टीम निर्धारित ओवर में 6 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। सीरीज में भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने दूसरा मुकाबला 100 रन से अपने नाम किया था। पहले मैच में जिम्?बाब्?वे ने शुभमन गिल की कप्?तानी वाली टीम को 13 रन से मात दी थी।

धोनी और साक्षी ने अनंत अंबाना की स्पेशल पूजा सेरेमनी में ढाया कहर, कपल का देसी लुक देख फिदा हुए फैंस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी का जश्न शुरू हो चुका है। दोनों 12 जुलाई को शादी के पवित्र बंधन में बंधने जा रहे हैं। काफी समय से अंबानी फोटो अनंत अंबानी और राधिका की खास पूजा सेरेमनी की हैं। जहां पिछले साल दोनों की सगाई के बाद दो प्री-वेडिंग कार्यक्रम का आयोजन धूम-धाम से हुआ था और वहीं, 10 जुलाई को एक स्पेशल पूजा कप्तान एमएस धोनी और उनकी वाइफ साक्षी की दिल छू लेने वाली फोटो वायरल हो रही है। ये तस्वीर अनंत और राधिका की शादी से पहले हुई पूजा सेरेमनी की है। वायरल फोटो में धोनी काले रंग के

परिवार में शादी से जुड़े तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए है। महेंद्र सिंह धोनी और उनकी वाइफ साक्षी दोनों हमेशा ही लाइमलाइट लूटते हुए नजर आते है। सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं होने के बावजूद धोनी सुखिर्यां बटोरते रहते हैं। उनकी वाइफ साक्षी अक्सर कई तस्वीरें शेयर करती रहती है। हाल ही में धोनी-साक्षी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ये सेरेमनी का आयोजन हुआ, जिसमें बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के भी कई सेलेब्स नजर आए शादी से पहले पूजा सेरेमनी में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और उनकी पतनी साक्षी धोनी भी मौजूद रहे। धोनी-साक्षी का देसी लुक फैंस को काफी पसंद आया और इस कपल की तस्वीरें अब तेजी से सोशल मीडिया पर वारयरल हो रही ह दरअसल, सोशल मीडिया पर पूर्व भारतीय कुर्ते पायजामे में नजर आ रहे है, तो वहीं, उनकी पतनी साक्षी लेवेंडर कूलर के सूट में नजर आ रही है। साक्षी को देख फैंस उन्हें किसी अप्सरा से कम नहीं समझ रहे है इसके अलावा एक तस्वीर और वायरल हो रही है, जिसमें एमएस धोनी ओरी के साथ नजर आ रहे हैं। इस फोटो में ओरी को महेंद्र सिंह धोनी को छूते हुए नहीं, बल्कि माही ने ओरी के कंधे पर हाथ रखा है।

क्रिकेट की 'वंडर बेबी' बनी चार साल की रिषिका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोलकाता। वह महज चार साल की है। कद बल्ले से कुछ ही ऊंचा होगा लेकिन जब वह अपने छोटे हाथों से बल्ला भांजती है तो बड़े-बड़े हैरत में पड़ जाते हैं। भारतीय

महिला क्रिकेट के लिए छोटी सी उम्र में बड़ी संभावना बनकर उभर रही यह 'वंडर बेबी' है रिषिका सरकार। भारत को अपनी जबर्दस्त बल्लेबाजी से 2007 का टी-20 और 2011 का वनडे विश्वकप जिताने वाले युवराज सिंह भी रिषिका का खेल देखकर आश्चर्य में पड़ गए और उसे उपहार में अपना हस्ताक्षरित किया हुआ बल्ला भेजा है। वहीं मर्लिन ग्रुप की ओर से रिषिका को स्कालरशिप प्रदान करते हुए कोलकाता स्थित युवराज सिंह सेंटर आफ एक्सीलेंस में उसके निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। भारत को अपनी जबर्दस्त बल्लेबाजी से 2007 का टी-20 और 2011 का वनडे विश्वकप जिताने वाले युवराज सिंह भी रिषिका का खेल देखकर आश्चर्य में पड़ गए और उसे उपहार में अपना हस्ताक्षरित किया हुआ बल्ला भेजा है। वहीं मर्लिन ग्रुप की ओर से रिषिका को स्कालरशिप प्रदान करते हुए कोलकाता स्थित युवराज सिंह सेंटर आफ एक्सीलेंस में उसके निशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। रिषिका के पिता राजीव सरकार ने बताया कि मैं क्रिकेटर बनकर देश के लिए खेलना चाहता था लेकिन आर्थिक तंगी के कारण अपना सपना पूरा नहीं कर पाया। मैंने सोच लिया था कि मेरी संतान, चाहे बेटा हो या बेटी, उसे क्रिकेटर बनाऊंगा। बेटी जब चलने लायक हुई, मैंने तभी से उसे क्रिकेट सिखाना शुरू कर दिया।

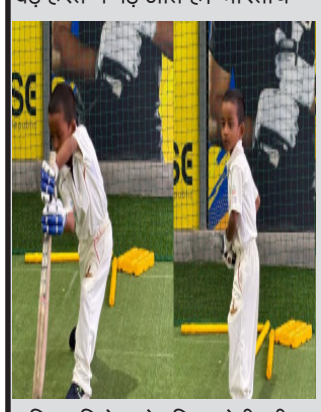

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया,आईसीसी को बदलना पड़ सकता है वेन्यू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल 2025 में पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है। इस इवेंट से पहले ही बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने ये कह दिया था कि भारत पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा, इसके बावजूद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड तैयारियों में जुटा हुआ है चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के वेन्यू में बदलाव को लेकर "ण्णघ् जल्द ही आईसीसी से बातचीत करेगा। हाल ही में न्यूज एजेंसी एएनआई को बीसीसीआई के एक सूत्र ने जानकारी दी कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल 2025 में फरवरी-मार्च में होना है। इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान के पास है लेकिन रिपोर्ट के अनुसार भारत पाकिस्तान से बाहर मैच खेलना चाहता है इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि भारत पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा और बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू में बदलाव करने को लेकर आईसीसी से बात करेगा

बीसीसीआई आईसीसी से ये मांग करेगा कि चैंपियंस ट्रॉफी के मैच दुबई या श्रीलंका में कराए जाए। हालांकि, भारत के पाकिस्तान नहीं जाने के फैसले को लेकर बीसीसीआई का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आईसीसी से बड़ी मांग करेगी। ये मांग चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू में बदलाव की होगी। बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन श्रीलंका या दुबई में करवाने को लेकर आईसीसी से बातचीत करेगा।बता दें कि साल 2008 के बाद से भारत ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया। दोनों टीमों के बीच भिड़ंत आईसीसी इवेंट में हुई। पाकिस्तान ने पिछले साल एशिया कप की मेजबानी की थी, लेकिन भारत के पाकिस्तान नहीं जाने की जिद्द के बाद एशिया कप को हाइब्रिड मॉडल पर खेलने का फैसला लिया गया। भारतीय टीम ने एशिया कप में अपने मुकाबले श्रीलंका में खेलें। भारतीय टीम ने दावा किया था कि उनकी सरकार ने उन्हें पाकिस्तान जाकर एशिया कप खेलने की परमिशन नहीं दी। 8 देशों के बीच खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज अगले साल 2025 में फरवरी-मार्च के महीने में होना है, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान करेगा। 1996 विश्व कप में भारत और श्रीलंका के साथ मेजबानी के बाद ये पहला मौका है जब बड़े इवेंट में पाकिस्तान को मेजबानी का मौका मिला है।

राहुल द्रविड़ से कितना ज्यादा है गंभीर का वेतन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के तौर पर गौतम गंभीर की नियुक्ति की वित्तीय औपचारिकताएं अभी पूरी की जानी बाकी हैं लेकिन इस समय उनके वित्तीय औपचारिकताएं अभी पूरी की जानी बाकी हैं लेकिन इस समय उनके लिए सबसे अहम चीज तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार होने के मद्देनजर पसंदीदा सहयोगी

लिए सबसे अहम चीज तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार होने के मद्देनजर पसंदीदा सहयोगी स्टाफ रखना है। मंगलवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने आधिकारिक रूप से गंभीर की नियुक्ति की घोषणा की, जिसका लंबे समय से पूर्वानुमान लगाया जा रहा था। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के तौर पर गौतम गंभीर की नियुक्ति की स्टाफ रखना है।"ण्णघ् सचिव जय शाह ने आधिकारिक रूप से गंभीर की नियुक्ति की घोषणा की। हालांकि पता चला है कि उनका वेतन अभी तय किया जाना बाकी है। हालांकि यह उनके पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ और रवि शास्त्री से थोड़ा ज्यादा हो सकता है। राहुल को मुख्य कोच के तौर पर करीब 12 करोड़ रुपये प्रति वर्ष मिलते थे।बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा, 'गौतम के लिए जिम्मेदारी संभालना ज्यादा महत्वपूर्ण था। अगले एक सप्ताह में वेतन और अन्य चीजों पर बात हो जाएगी। गंभीर को काम करने के लिए अपनी टीम मिलेगी, जो एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के कोचों के साथ मिलकर काम करेंगे। लक्ष्मण इस समय युवा टी-20 टीम के साथ जिंबाब्वे में हैं, लेकिन आशा है कि जब वह वापस लौट आएंगे तो वह नए कोच, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर, दो कप्तान रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे।' गंभीर के कोर सहयोगी स्टाफ में कौन होगा, इसको लेकर भी काफी दिलचस्पी बनी हुई है। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) अकादमी के प्रमुख अभिषेक नायर बल्लेबाजी सलाहकार और एल. बालाजी व जहीर खान में से कोई एक गेंदबाजी सलाहकार हो सकता है। क्षेत्ररक्षण कोच टी. दिलीप अपने पद पर बने रह सकते हैं। अभिषेक रोहित शर्मा के करीब दोस्तों में में शामिल हैं। गंभीर के लिए सबसे बड़ी परीक्षा निश्चित रूप से आस्ट्रेलिया दौरा होगा,।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

हम जल्द-से-जल्द सीरीज खत्म करना चाहते हैं जिम्बाब्वे पर मिली जीत के बाद शुभमन गिल ने दिया बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल (एप्रुंर्ह्नैह उग्त्त) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार बैटिंग की। उन्होंने तीसरे टी20 मैच में 66 रन की पारी खेली और उनकी इस पारी के दम पर भारत ने 182 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 159 रन ही बना सकी और भारत ने ये मैच 23 रन से अपने नाम किया भारत और जिम्बाब्वे के बीच पांच मैचों की टी20घ् सीरीज खेली जा रही है जिसके तीसरे टी20 मैच में टीम इंडिया ने 23 रन से जीत हासिल की। तीसरे टी20 मैच में शुभमन गिल का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 65 रन की पारी खेली। इस मैच में मिली जीत के बाद शुभमन गिल ने खिलाड़ि.यों की तारीफ की और कहा कि वह सीरीज को जल्द ही खत्म करना चाहते हैं। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई। तीसरा टी20 मैच जीतने के बाद शुभमन गिल ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हम जल्द-से-जल्द सीरी खत्म करना चाहते है। दरअसल, भारतीय टीम किया था। पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 182 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में

ने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार दूसरे मैच में जीत हासिल की। तीसरे टी20 मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला जिम्बाब्वे की टीम 159 रन ही बना सकी। मैच में मिली जीत के बाद गिल ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि यह हमारे लिए महत्वपूर्ण मैच था और हमने जिस तरह से बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शुरूआत की, वो शानदार रही। इसके बाद गिल से जब ये पूछा गया कि टीम 200 रन का स्कोर नहीं पार कर सकी, इस पर वह निराश थे। तो गिल ने कहा कि विकेट पर गेंद रूक-रूक कर आ रही थी, जिससे लेंथ गेंद पर हिट करना आसान नहीं था। गिल ने साथ ही कहा कि हम लेंथ गेंद पर भी हिट करना चाहते थे। हम सभी जानते हैं कि अगर विकेट से मदद मिलती है तो यह गेंदबाजों के लिए ही होगी। पर जीत में हर किसी ने योगदान दिया, ओपनर्स से लेकर बॉलर्स तक।तीसरे टी20 मैच में वॉशिंगटन सुंदर ने 4 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए और उन्हें मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। सुंदर को लेकर शुभमन गिल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो अच्छा लग रहा है। हर बार जब भी देश के लिए खेलत हूं तो शानदार लगता है। यह अच्छा विकेट था। पहले दो मैच में गेंदबाजों को काफी मदद मिली।

सम्पादकीय

गलती किसी की हो, अपराधी पुल ही होगा

बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। पता नहीं बिहार के ही एक जाने माने कवि आलोक रंजन को अपने गृह राज्य में पुलों के धड़ाधड़ गिरने का पूर्वाभास था या नहीं, परंतु टूटे हुए पुल नामक उनकी कविता की ये कुछ पंक्तियां बहुत मौजूं हो उठी हैं- वैसे तो इन दिनो देश में घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों तथा उनके उद्घाटनों की राजनीतिक जल्दबाजी के चलते पुलों, इमारतों, छज्जों के गिरने, ध्वस्त होने और ऐसे अप्रत्याशित हादसों में जान गंवाने की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं, लेकिन बिहार में जिस तरह एक माह से भी कम समय में विभिनन्‍ नदी-नालों पर बने 13 पुल पुलिया गिरी है या गिर रही है, वह यही साबित करता है कि राज्य भ्रष्टाचार के पुल असली पुलों के मुकाबिल बहुत ज्यादा मजबूत हैं। ऐसे पुल, जिनके ध्वस्त होते जाने को लेकर किसी के माथे पर खास शिकन नहीं है। यानी पुल ही तो था, जो गिर गया। अब क्या करें का भाव। इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पाटिर्यां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो। इस बीच राज्य सरकार ने गिरे हुए पुलों को फिर से बनाने का आदेश दे दिया है। बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। न जाने कौन सा पुल कब धंस जाए और कोई यात्रा अंतिम यात्रा में बदल जाए। इस देश में प्राकृतिक आपदा, घटिया निर्माण, गलत डिजाइन आदि के चलते पुलों, भवनों का गिरना कोई नई बात नहीं है। दूसरे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्योंकि निर्माण के हर टेंडर में भ्रष्टाचार एक अलिखित लेकिन अनिवार्य शर्त होती है, जो सार्वजनीन है। फर्क सिर्फ इतना होता है कई जगह भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी की लक्ष्मण रेखा के परे एक लोकलाज की अदृश्य रेखा भी होती है, जिसे ध्यान में रखकर इतनी सावधानी बरतने की कोशिश होती है कि सिर मुंडाते ही ओले न पड़ जाएं। ऐसे में बहुत सी इमारते और पुल निर्माण के कुछ बरस बाद टूटकर व्यवस्था पर भरोसा कायम रखते हैं। टूटने या गिरने की स्थिति में उनके उम्रदराज होने का वाजिब कारण बताया जा सकता है। अलबत्ता बिहार में जो पुल गिरे हैं, वो तो बाल्यावस्था से लेकर जवानी में ही दम तोड़ रहे हैं। ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पुल ध्वस्तीकरण का यह अटूट सिलसिला राज्य में पिछले माह 18 जून से शुरू हुआ, जहां 7 जुलाई तक 13 पुल दम तोड़ चुके थे। टूटने वाली तेरहवीं एक पुलिया है। इस क्रम में गिरने वाला पहला पुल राज्य के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में था। इसके भी पहले इसी साल मार्च के महीने में सुपौल जिले में कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था। इस हादसे में एक मज़दूर की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य घायल हुए थे। इसी तरह बिहार में पिछले साल गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया था। यह पुल क़रीब 1 हजार 717 करोड़ की लागत से भागलपुर जिले के सुल्तानगंज और खगड़िया जिले के अगुवानी नाम की जगह के बीच बन रहा था। पुल गिरने की इस तस्वीर को बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया पर साझा किया था और सरकार ने जांच के आदेश भी दिए थे। आगे क्या हुआ किसी को नहीं पता। यूं भारत में पुलों के बनने और उनके गिरते जाने का अपना इतिहास है, जो देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने- बाने के बनने और बिगड़ने के समांतर निर्विकार भाव से चलता रहता है। यह भी हकीकत है कि आज देश में कई पुल ऐसे भी हैं, जो अंगरेजों के जमाने के हैं, लेकिन उम्र ढलने के बाद भी यातायात का बोझा ढो रहे हैं। पुल ध्वस्तीकरण की बात करें तो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2012 से 2022 के बीच 285 पुल ध्वस्त हुए, जिसमें 2022 गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल टूटने से 141 लोगों की मौत का भीषण हादसा भी शामिल है।

उत्तराखंडः मानसून के साथ ही मंडराने लगा भूस्खलन का खतरा

भूस्खलन का खतरा दैवी आपदाओं से संबंधित विनाशकारी खतरों में अग्रणी गिना जाता है। भूस्खलन भारत के पर्वतीय क्षेत्र के बड़े हिस्से में सामान्य गतिविधियों में व्यवधान से लेकर बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि और विनाश के कारण जीवन और आजीविका के लिए खतरा पैदा करते हैं। हिमालय और भारत के अन्य पहाड़ी क्षेत्र भूस्खलन गतिविधियों से हर साल बड़े पैमाने पर प्रभावित होते हैं। अतीत में कट्रोपी-2017 (हिमाचल प्रदेश), लपटप प्रदेश), पंपारे-2017 (अरुणाचल प्रदेश), मिरिक-2015 (पश्चिम बंगाल), मालिन-2014 (पुणे), दसलगांव-2007 (महाराष्ट्र), वरुणावत पर्वत-2003 (उत्तराखंड), अंबूरी-2001 (केरल), मालपा भूस्खलन-1998 (उत्तराखंड) आदि घटनाओं के कारण जनधन धन की बहुत अधिक हानि हुई है। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भूकम्प के बाद भूस्खलन सबसे बड़ी त्रासदी है। भूकम्प तो कभी-कभी ही आते हैं। लेकिन भूस्खलन की मुसीबत हर साल की है। एक अनुमान के अनुसार भारत में लगभग 42 हजार वर्ग किमी या 12.6 प्रतिशत भूमि भूस्खलन की जद में है। इसमें से 18 हजार वर्ग किमी दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय सहित उत्तर पूर्व हिमालय में पड़ता है और 14 हजार वर्ग किमी प्रभावित क्षेत्र उत्तर पश्चिम हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर) में पड़ता है पश्चिमी घाटों और कोंकण पहाड़ियों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र) में 9 हजार वर्ग किमी और 1 हजार वर्ग किमी भूस्खलन का स्थानिक वितरण शेल-सैंडस्टोन-मेटासेडिमेंट्स द्वारा नियंत्रित होता है,जो विच्छेदित पहाड़ियों और घाटियों को उत्पनन करता है। उत्तराखण्ड जैसे हिमालयी राज्य में हर साल भूस्खलन से भारी धन-जन की हानि होती है। इस पहाड़ी राज्य में औसतन सौ लोग हर साल इस आपदा में जानें गंवा बैठते हैं। कुछ लोग मकान तो कुछ खेती बाड़ी से हाथ धो बैठते हैं। भूस्खलन से बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय क्षति होती है जैसे कि मिट्टी के कटाव के कारण तलछट के निर्वहन में वृद्धि और हर साल मानव जीवन का नुकसान।हिमालय में भूस्खलन विभिनन्‍ भूगर्भीय कारणों से हो सकता है, जिनमें टेक्टोनिक गतिविधि एक कारण है। विदित है कि हिमालय उत्तर की ओर यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स से टकरा रहा है। इस विवर्तनिक गतिविधि के परिणामस्वरूप क्षेत्र में कई भ्रंश, मोड़ और जोर बनते हैं। इन भूगर्भीय संरचनाओं के साथ जमा भूगर्भीय ऊर्जा के अचानक बाहर निकलने से भूकंप और भूस्खलन हो सकता है। ऐसी हलचलें मुख्य केन्द्रीय भ्रंश (एमसीटी) के आसपास ज्यादा अनुभव की गई हैं। हिमालय की विशेषता बेहद खड़ी ढलानों की है, जो भूस्खलन के लिए काफी संवेदनशील होती हैं। हिमालय के गर्भ में नाजुक चट्टानें हैं। जैसे शेल और मिट्टी, जो आसानी से प्रभावित और नष्ट हो जाती हैं। भारी वर्षा के साथ मिलकर, कमजोर या लूज मिट्टी वाली ढलानों पर जमा मलबा तेज वर्षा या वर्षा जल के दरारों में घुसने से नीचे खिसक या लुढ़क जाता है। ग्रेनाइट जैसी मजबूत चट्टानों की तुलना में कमजोर चट्टानें, जैसे कि शेल और सिल्टस्टोन, भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। बेडिंग प्लेन और ज्वाइंट सेट जैसे भूगर्भीय असंतुलन भी भूस्खलन की संवेदनशीलता को बढ़ाते हैं। चूंकि हिमालय समुद्र से चले मानसून को रोकता है, इसलिए मानसून अपने अंदर की जलराशि को हिमालय पर ही उंडेल देता है। इसके अलावा बादल फटने की घटनाएं भी बढ़ रही है जो कि भूस्खलन और त्वरित बाढ़ आपदा का मुख्य कारण होती हैं। स्थानीय स्थलाकृति, भूमि उपयोग प्रथाओं और मानव हस्तक्षेप, जैसे कि वनों की कटाई और निर्माण गतिविधियां भी इस क्षेत्र में भूस्खलन की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हिमालय पर 30ष्ट से 45ष्ट के ढाल वाली पहाड़ियों पर 750 से लेकर 1000 मिमी के बीच वर्षा होने पर भूस्खलन अधिक होते है भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा तैयार भारत का भूस्खलन मानचित्र या एटलस-2023, हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड की डरावनी तस्वीर दिखा रहा है। इस एटलस में हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट तक देश के 17 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को भूस्खलन-संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल किया है। इनमें उत्तराखंड के दो जिले रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल को सबसे ऊपर रखा गया है। यह एटलस उपग्रह से लिए गए चित्रों पर आधारित है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, राजौरी, त्रिशूर, पुलवामा, पलक्कड़, मालाप्पुरम, दक्षिण सिक्किम, पूर्वी सिक्किम और को झिकोड में भूस्खलन का खतरा सब से ज्यादा है। राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा यह रिपोर्ट या एटलस 1988 से 2022 के बीच रिकॉर्ड किए गए 80,933 भूस्खलनों के आधार तैयार की गया है। रिपोर्ट के अनुसार 1988 से 2022 के बीच भूस्खलन की सबसे ज्यादा 12,385 घटनाएं मिजोरम में दर्ज की गई हैं। इसके बाद उत्तराखंड में 11,219, त्रिपुरा में 8,070, अरुणाचल प्रदेश में 7,689, जम्मू और कश्मीर में 7,280, केरल में 6,039 और मणिपुर में 5,494,जबकि महाराष्ट्र में भूस्खलन की 5,112 घटनाएं दर्ज की गई थीं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सन्‍ 1990 से लेकर 2022 तक भूस्खलन की घटनाओं में 19,316 लोगों की जानें गई हैं। एटलस के भूस्खलन जोखिम विश्लेषण में 147 जिलों में हिमाचल के 11 जिले शामिल हैं जिनमें भूस्खलन से सबसे अधिक खतरा मंडी जिले को बताया गया है। खतरे के हिसाब से इस जिले की रैंक 16वीं है। इसी तरह हिमालयी राज्यों में से जम्मू और कश्मीर के 14 जिले जोखिम की सूची में शामिल हैं। इनमें राजौरी देश का चैथा और पुंछ छठा सबसे अधिक भूस्खलन संवेदनशील जिला है। संवेदनशील जिलों की सूची में केरल के कुल 10 जिले हैं जिनमें 3 जिलों को सर्वाधिक जोखिम में रखा गया है। सावधानी और रोकथाम में ही सबसे सहज बचाव होता है। इसलिए भूस्खलन के मामले में भी आम नागरिक और खास कर पहाड़ी क्षेत्र के लोग सजग रहें तो काफी हद तक जानमाल को बचाया जा सकता है। आपदा प्रबंधकों के अनुसार भूस्खलन की स्थिति में अशांत और व्यग्र रहने के बजाय शांत तथा सतर्क एवं जागरुक रहना जरूरी होता है। मानसून सीजन में मौसम केंद्र से जारी होने वाली भारी बारिश तथा दीर्घावधिक बारिश की चेतावनी को ध्यान से सना जाना चाहिए। यदि आपका घर मलबे से ढके इलाके से नीचे की ओर स्थित हो तो सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। चट्टान गिरने की आवाजों, मलबा खिसकने, पेड़ों के टूटने अथवा जमीन में पड़ने वाली दरारों अथवा किसी भी हलचल की आवाज को ध्यान से सुनें। रात के लिए एक बैटरी चालित टॉर्च हमेशा साथ रखें। अगर भूस्खलन हो रहा हो तो तत्काल रेस्क्यू टीम को बुलाएं तथा उनकी मदद करें। पेयजल बर्तनों, प्लास्टिक सहायता थैला तथा अनिवार्य दवाइयों के साथ तैयार रहें और क्षतिग्रस्त मकानों में घुसने से बचें। यदि आप नदी या नाले के पास रहते हों तो बाढ़ के पानी का ख्याल रखें, उन लोगों विशेष रूप से बुजुर्ग, बच्चे तथा महिलाएं जिन्हें खास तौर पर सहायता की जरूरत है, की मदद करें। क्षतिग्रस्त मकानों, सड़कों आदि के पुनर्निर्माण के लिए स्थानीय प्राधिकरणों से सलाह मांगें।

घटनाओं की शुरुआत के साथ ही भूस्खलन का खतरा हिमालयी क्षेत्रों सहित देश के पहाड़ी इलाकों पर मंडराने लगा है। कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों में भूस्खलन सबसे अधिक मारक आपदाओं में गिना जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जल आपदाओं की आवृत्ति में वृद्धि के साथ ही भूस्खलन आपदाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है हालांकि, भूकम्प जैसी आपदाओं में अभी तक सटीक और पर्याप्त समयावधि के लिए पूर्व चेतावनी तंत्र संभव नहीं हो सका है। लेकिन भूस्खलन के मामले में ऐसा नहीं है। इसलिए सटीक पूर्व चेतावनी से एक विश्वसनीय बचाव तंत्र अवश्य ही विकसित किया जा सकता है। नैनीताल, शिमला और जोशीमठ जैसे कई विख्यात नगर मानवीय हस्तक्षेप और दबाव के कारण पहले ही गंभीर खतरे में हैं इसलिए लगभग सभी पहाड़ी नगरों के लोगों को अत्यधिक सतर्कता की जरूरत है।भूस्खलन का खतरा दैवी आपदाओं से संबंधित विनाशकारी खतरों में अग्रणी गिना जाता है।

संतुलन समय की जरूरत, प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति भविष्य के लिए आवश्यक

आबादी का गुण-अवगुण के आधार पर विश्लेषण होना जरूरी है। जनसंख्या को बोझ मानलेना निदान नहीं। एक तरफ संतुलन समय की जरूरत है, लेकिन दूसरी तरफ प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति को कायम रखना भविष्य की आवश्यकता है।पिछले कुछ वर्षों में हर?ओर आईवीएफ या आम भाषा में टेस्ट ट्यूब बेबी की छोटे-बड़े शहरों में हो रही वृद्धि, घटती प्रजनन दर, शहरी युवा विशेष तौर पर व्यावसायिक शिक्षा में दक्ष पीढ़ी की संतानोत्पत्ति के प्रति निरंतर बढ़ती अरुचि भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। मोटे अनुमान के अनुसार, दस वर्ष के भीतर भारत में आईवीएफ उद्योग लगभग पांच गुना?वृद्धि के साथ 370 करोड़ डॉलर के बराबर हो जाएगा, जो 2020 में 80 करोड़ डॉलर से भी कम था। इन तथ्यों से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि प्रजनन क्षमता में कमी आ रही है, बल्कि इसकी पृष्ठभूमि में संतानोत्पत्ति के प्रति बढ़ती अरुचि है। कॅरिअर के कारण बच्चे पैदा करना अभिजात्य वर्ग की प्राथमिकता में लगभग अंतिम छोर पर पहुंच गया है। इस प्रकार एक नए समाज की संरचना हो रही है। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उपेक्षित एवं वंचित वर्ग संबंधी गणना तथा आंकड़ों के वैज्ञानिक संग्रहण को अपना लक्ष्य बनाया है। यह चौंकाने वाला है, क्योंकि विगत 30 वर्षों से 11 जुलाई (विश्व जनसंख्या दिवस) को जनसंख्या संबंधी बड़े-बड़े आयोजनों में नए विषयों के प्रति संकल्प लिए जाते रहे हैं। इनमें वंचित वर्ग उपेक्षित ही रह जाता था। लेकिन अब संयुक्त राष्ट्र को उसका ख्याल आया है। इसके पीछे वर्तमान संदर्भ और भविष्य की जनसंख्या संबंधी कुछ अनुमान हैं। उपलब्ध अनुमानों के अनुसार, अगले पच्चीस वर्षों में दुनिया के मात्र एक तिहाई देशों (204 में से 49 देशों) में ही पर्याप्त प्रजनन दर रहेगी, जो इस शताब्दी के अंत तक मात्र तीन प्रतिशत यानी 204 में से छह राष्ट्रों तक सिमट कर रह जाएगी। अनुमान के अनुसार, आबादी में वृद्धि मुख्यतः अफ्रीकी देशों में होगी। माना जाता है कि शताब्दी के अंत तक आधी आबादी अफ्रीकी राष्ट्रों में पैदा होगी। इसके साथ ही प्रजनन की प्रवृत्ति मूलतः निमन मध्यवर्ग तक सीमित रह जाएगी, जिससे भविष्य में व्यापक वर्गभेद होने की आशंका है, क्योंकि आबादी में निमन आय वर्ग की संतानों की बहुतायत होने तथा उच्च वर्ग में संतानोत्पत्ति से बेरुखी होने के कारण उपलब्ध संसाधनों पर धीरे-धीरे नियंत्रण बदल जाएगा, जो अभिजात्य वर्ग को मंजूर नहीं हो सकता है। विडंबना यह होगी कि सामर्थ्यवान के पास संतान नहीं और संतान वाले के पास संसाधन नहीं। आशंका यह भी है कि प्रजनन के अभाव में अनेकानेक विकसित राष्ट्रों में अप्रवासी और शरणार्थी भारी संख्या में प्रवेश करेंगे। जनसंख्या असंतुलन का एक विशिष्ट उदाहरण है दक्षिण कोरिया और नाइजीरिया की वर्तमान स्थिति। पिछले कुछ वर्षों में जहां दक्षिणी कोरिया में ऋणात्मक प्रजनन दर रही है, वहीं नाइजीरिया में प्रजनन दर लगभग प्रति महिला सात बच्चों की पाई गई है। ऐसे में संसाधनों का पुनः बंटवारा होना लाजिमी है। कोरिया की महिलाएं अपने व्यावसायिक जीवन की उनन्ति और बच्चों के लालन-पालन की बढ़ती लागत के कारण संतान देर से या नहीं पैदा करती हैं। इस ऋणात्मक वृद्धि के कारण सृष्टि पर कई विषम प्रभाव भी पड़ेंगे। सामान्य तौर पर तो आबादी की कमी से सहज एवं सुगम जीवन की प्रत्याशा रहती है, किंतु इस कमी के कारण किंचित महत्वपूर्ण व्यवसाय यथा कृषि अत्यधिक प्रभावित होंगे, जिससे खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण आदि पर असर पड़ेगा। कम आबादी से लोगों का व्यावसायिक रुझान श्रम विहीन, तकनीकी कौशल, शोध आदि की ओर होगा। आशंका है कि घटती आबादी भू-राजनीतिक सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को भी जन्म देगी। इसी कारण 1994 में जनसंख्या वृद्धि को 2.1 बच्चे प्रति महिला तक सीमित करने का लक्ष्य तय किया गया था, ताकि संतुलन कायम हो सके। वर्तमान परिदृश्य भविष्य में असंतुलन की आशंका को दर्शाता है। भारत में भी जनसंख्या स्थिरीकरण एक गंभीर चुनौती है। औसत आयु में वृद्धि, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं, संसाधनों की उपलब्धता के चलते अगले कुछ वर्षों में संख्यात्मक वृद्धि तो दिखेगी, किंतु वास्तविक रूप में प्रजनन दर निरंतर घटती जा रही है। आशंका है कि शताब्दी के अंत तक प्रजनन दर मात्र एक बच्चा प्रति महिला तक सीमित हो जाएगी। अतः आवश्यक है कि आबादी का गुणावगुण के आधार पर विश्लेषण हो न कि महज जनसंख्या को बोझ मानकर। संतुलन समय की आवश्यकता है, तो प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति को कायम रखना भविष्य की आवश्यकता।

जंगल की आग और बादलों के फटने की घटनाओं का करीबी संबंध

वैज्ञानिक पत्रिका 'एटमॉस्फीयरिक एनवायरमेंट' में फरवरी 2021 में प्रकाशित एक शोध के अनुसार जंगल की आग और बादलों के फटने की घटनाओं का करीबी संबंध है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (एचएनबी) विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर की सक्रियता को मापा है। इस साल का मॉनसून लगभग सारे भारत में छा गया है और इसके साथ ही बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरने एवं बादल फटने जैसी मानसून संबंधी आपदाओं का खतरा भी विभिनन्‍ संवेदनशील क्षेत्रों में मंडराने लगा है। चूंकि मौसम विभाग ने इस साल समान्य से अधिक गर्मी का पूर्वानुमान लगाया था जिसका कटु अनुभव हो ही गया और अब सामान्य से अधिक वर्षा की भविष्यवाणी को हमने 28 जून को दिल्ली में हुई रिकार्ड अतिवृष्टि से सच होती हुई भी देख लिया है। लेकिन इससे भी अधिक डरावनी आशंका बादल फटने की घटनाओं की है जो कि हर साल खास कर हिमालयी राज्यों और पश्चिमी घाट जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में कहर बरपाती है। विशेषज्ञ बादल फटने की घटनाओं को वनागिन से जोड़ कर देख रहे हैं। चूंकि इस साल देश में और खास कर हिमालयी राज्यों में वनागिन की घटनाएं कुछ ज्यादा ही हुई हैं इसलिए बादल फटने का खतरा भी उतना ही बढ़ा है, इसलिए आपदा प्रबंध तंत्रों को चैबीसों घण्टे सजग रहने की जरूरत है वैज्ञानिक पत्रिका 'एटमॉस्फीयरिक एनवायरमेंट' में फरवरी 2021 में प्रकाशित एक शोध के अनुसार जंगल की आग और बादलों के फटने की घटनाओं का करीबी संबंध है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (एचएनबी) विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर की सक्रियता को मापा है। साथ ही उन्होंने पहली बार मध्य हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र के रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में मौसम की विभिनन्‍ स्थितियों के प्रभाव में अधिक ऊंचाई वाले बादलों के निर्माण और स्थानीय मौसम की घटनाओं की जटिलता पर इसके प्रभाव का अध्ययन किया है। इन वैज्ञानिकों के अध्ययन से पता चला है कि बादल की छोटी बूंदों के आकार के बराबर कण जिस पर जलवाष्प संघनित होकर बादलों का निर्माण करती है, उनमें और जंगल की आग की घटनाओं के बीच गहरा सम्बन्ध है। इन छोटे कणों को क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर (सीसीएन) के नाम से जाना जाता है। शोध से पता चला है कि जंगल में लगने वाली आग की घटनाओं के समय ऐसे कणों की मात्रा चरम पर थी। वैज्ञानिकों ने एचएनबी विश्वविद्यालय के स्वामी राम तीर्थ (एसआरटी) परिसर में स्थित हिमालयन क्लाउड ऑब्जर्वेटरी (एचसीओ) में छोटी बूंदों को मापने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक (डीएमटी) सीसीएन काउंटर की मदद से इन क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर को मापा गया था, जोकि अतिसंतृप्ति (एसएस) की मौजूदगी में कोहरे या बादल की बूंदों के रूप में सक्रिय और विकसित हो सकते हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

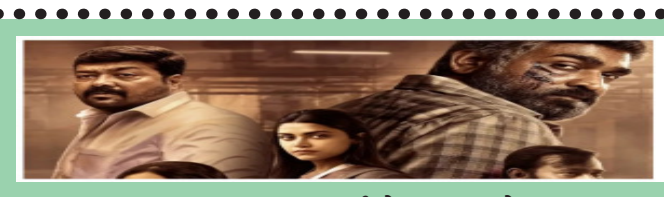

बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई के बाद ओटीटी पर भी धमाल मचाएगी 'महाराजा'

क्या होती है शिव शक्ति पूजा, क्यों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंटू की शादी में की गई ये रस्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इन दिनों देश भर में मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी इवेंट में अमित त्रिवेदी के अलावा कैलाश खेर ने भी परफॉर्म किया था। ऐसे में सोशल मीडिया पर कई लोगों के मन में सवाल उठ रहा है भी अपने हिट ट्रैक 'नमो नमो' का प्रदर्शन करते नजर आ रहे हैं। कहा जाता है कि शादी से पहले शिव शक्ति पूजन से दुल्हा-दुल्हन के

की चर्चा हो रही है। शुक्रवार यानी 12 जुलाई को अनंत अपनी मंगेतर राधिका से सात फेरे लेंगे। बुधवार को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी से पहले एंटीलिया में शिव शक्ति पूजा का आयोजन किया गया। इसके अलावा मेहंदी सेरेमनी और गरबा नाइट भी हुई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी की रस्में जोर-शोर से होती नजर आ रही हैं। इस दौरान अंबानी परिवार ने शिव शक्ति पूजा करवाई है। इस सेरेमनी में कई सितारे भी मौजूद थे जिनमें जान्हवी कपूर शनाया कपूर अनन्या पांडे संजय दत्त और रणवीर सिंह शामिल थे। कि आखिर शादी से पहले शिव शक्ति पूजा का क्या महत्व है और यह क्या होती है क्यों करवाई जाती है। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि अंबानी परिवार ने यह पूजा क्यों रखी। अनंत और राधिका की शादी में अंबानी परिवार पुरानी परंपराओं को बखूबी से निभाता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर होने वाले दूल्हे राजा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह शिव शक्ति पूजा करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा रहा है कि अंबानी हाउस में एक विशाल शिव ज्योतिर्लिंग की मूर्ति रखी हुई है। कार्यक्रम स्थल पर अमित त्रिवेदी जीवन में खुशहाली बनी रहती है। साथ ही, उन्हें शिव जी और पार्वती मां का आशीर्वाद मिलता है। इसके अलावा नवग्रह शांत होते हैं और जीवन में मंगल बना रहता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार रामायण में देवी सीता ने भी शादी से पहले भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की थी। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनंत और राधिका मर्चेंट में आने वाले महमानों के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। इन मेहमानों को अंबानी परिवाप करोड़ों के महंगे रिटर्न्स गिफ्ट्स देने वाला है।

घाटी में सीरिया से आया नया दुश्मन, भिड़ने निकले अरबाज खान और मानव विज, दमदार है ट्रेलर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पॉपुलर वेब सीरीज 'तनाव' एक बार फिर दमदार एक्शन और थ्रिलिंग एक्सपीरियंस के साथ को देखते हुए मेकर्स अब दूसरे की कहानी लेकर आने वाले हैं। तनाव 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है जिसे देखने के बाद फैंस बेसब्री

लौटने वाली है। जम्मू-कश्मीर में इस बार क्या कुछ होने वाला है, इसकी एक छोटी सी झलक दिखाते हुए मेकर्स ने 'तनाव 2' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ओटीटी पर एक्शन और थ्रिलर का ढेर सारा कॉन्सेप्ट मौजूद है। 2022 में अरबाज खान का हिट शो तनाव रिलीज हुआ था। इसकी पॉपुलैरिटी से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। मानव विज और अरबाज खान एक बार फिर एक्शन का भरपूर तड़का लेकर ओटीटी पर दस्तक देंगे। कश्मीर के अंदरूनी मामलों को दिखाती 'तनाव' वेब सीरीज इजरायली शो फौदा का भारतीय संस्करण है। इस शो का पहला सीजन 2022 में रिलीज हुआ था, जिसकी कहानी और प्रेजेंटेशन को लोगों ने काफी पसंद किया। अब इसके दूसरे सीजन की झलक सामने आई है। वीडियो में एक व्यक्ति कहता है कि सीरिया से एक लड़का आया है, उसका नाम फरीद मीर है। घ्एघ्र के साथ मिलकर वह कुछ बड़ा प्लान कर रहा है। इसके बाद वह सीन दिखाया जाता है, जहां बम ब्लास्ट की साजिश दिखाई जाती है। कैसे एक बच्चे को बेवकूफ बनाकर उससे वह बैग उठवाया जाता है, जिसमें बम है। वह जैसे ही बैग किसी को देता है, उसमें पड़ा बम ब्लास्ट हो जाता है। सोनी लिव ने 'तनाव 2' का ट्रेलर शेयर करने के साथ ही इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा हटा दिया है। इस एक्शन पैक वेब सीरीज में लालच, बदला, धोखा, प्यार, बहादुरी सब कुछ देखने को मिलेगा। 'तनाव 2' ओटीटी पर 12 सितंबर को रिलीज होगी। तनाव के दूसरे सीजन का ट्रेलर और रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस ने एक्साइटमेंट दिखाई है। उन्हें इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई के बाद ओटीटी पर भी धमाल मचाएगी 'महाराजा'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्म 'जवान' में शाह रुख खान के साथ दो-दो हाथ करने वाले विजय सेतुपति साउथ सिनेमा के बड़े एक्टर माने जाते हैं। उनकी अधिकतर फिल्मों को अब ओटीटी पर दस्तक देगी जिसकी डेट सामने आ चुकी है। महाराजा' विजय सेतुपति की 50वीं फिल्म है। मूवी ने सिनेमाघरों में धमाल मचा दिया। बेहतरीन कमाई और कमाल की एक्टिंग के चलते से ज्यादा की कमाई कर डाली। 'महाराजा' ने 14 जून को थिएटर्स में एंट्री ली थी और अब फिल्म ओटीटी पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार है। महाराजा फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पांस मिला है। 'विक्रम वेधा', 'थालापति 64' जैसी मूवीज का हिस्सा रह चुके विजय सेतुपति की फिल्म 'महाराजा' ने बॉक्स ऑफिस पर धांसू कमाई की। अब फिल्म ओटीटी पर भी राज करने के लिए तैयार है। साउथ सिनेमा के स्टार एक्टर विजय सेतुपति अपनी परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं। उनकी एक्टिंग अक्सर लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रहती है। विजय सेतुपति ने तमाम हिट फिल्में दी हैं जिसमें महाराजा भी शामिल है। बॉक्स ऑफिस पर धाकड़ कमाई करने के बाद ये फिल्म ये फिल्म सुखिर्यों में छाई हुई है। 'कल्कि 2898 एडी' की रिलीज के बावजूद 'महाराजा' का तूफान टिकट विंडो पर जारी रहा, जिस कारण फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ जिन्होंने ये मूवी नहीं देखी है और देखने के इच्छुक हैं या वह जो विजय सेतुपति के फैंस हैं, वह इस मूवी को शुक्रवार 12 जुलाई से देख सकते हैं। फिल्म तामिल, तेलुगू, मलयालम, कनन्ड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स ने इस मूवी की अनाउंसमेंट करने के साथ ही कैप्शन में लिखा, 'जब उसकी लक्ष्मी चुरा ली जाती है, तब कुछ राज भी हैं, जो बाहर आते हैं। चीजों को ठीक करने के लिए महाराजा किस हद तक जाएंगे?' महाराजा फिल्म की रिलीज के लिए फैंस ने एक्साइटमेंट दिखाई है।

टीना थडानी से ब्रेकअप के बाद इस हॉट एक्ट्रेस को डेट कर रहे हैं रैपर हनी सिंह आप भी नहीं हटा पाएंगे नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर और रैपर यो यो हनी सिंह जितना अपने गानों को लेकर चर्चा में रहते हैं उससे ज्यादा वो अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी सुखिर्यों में रहते हैं। अब खबर मिली है कि रैपर को एक बार फिर से प्यार हो गया है। जी हां, हनी सिंह इससे पहले होली के दौरान हनी सिंह के कंसर्ट में भी उन्हें साथ देखा गया था। पंजाबी एक्ट्रेस हीरा 'थैंक गॉड' में नजर आई हैं। कई तस्वीरों में लोगों ने इन्हें मलाइका की कॉपी कहा है। कपल के एक करीबी का कहना है कि दोनों करीब एक साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और पिछले महीने एक रोमांटिक ट्रिप

एक्ट्रेस मॉडल टीना थडानी को डेट कर रहे थे। लेकिन कुछ महीने की डेटिंग के बाद ही साल 2023 में इनका ब्रेकअप हो गया। हनी सिंह एक बार फिर अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। शालिनी तलवार से तलाक के बाद उनका नाम टीना थडानी के साथ जुड़ा था। लेकिन कुछ महीने बाद ही दोनों का ब्रेकअप हो गया। लेकिन अब टीना थडानी के बाद कोई और है जो चुपके से हनी सिंह की लाइफ में एंट्री कर चुका है। खबर है कि रैपर एक एक्ट्रेस को डेट कर रहे हैं। ई टाइम्स की रिपोर्ट की मानें तो हनी सिंह एक्ट्रेस हीरा सोहल को डेट कर रहे हैं। दोनों को पब्लिकली भी कई बार साथ में देखा गया है। खबर तो ये भी है कि हीरा मुंबई में पर भी ये साथ गए थे। हनी अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी ओपन हैं और वो हीरा को अपना पार्टनर कहकर ही इंट्रोड्यूस करवाते हैं। लेकिन अभी वो इसे सीक्रेट ही रखना चाहते हैं। शालिनी ने हनी सिंह पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। हनी सिंह और टीना थडानी जब अलग हुए थे तो दोनों ने सोशल मीडिया पर एक दूसरे के अनफॉलो कर दिया था। इसके साथ ही एक-दूसरे के साथ तस्वीरें भी डिलीट कर दी थीं। एक तरफ जहां टीना ब्रेकअप से मूव ऑन करने की कोशिश कर रही हैं वहीं हनी सिंह अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात करते नजर आए। टीना को डेट करने से पहले हनी सिंह की शादी शालिनी तलवार से हुई थी। हालांकि अभी दोनों का तलाक हो चुका है।

बिग बॉस सलवार-सूट फिर आपस में भिड़े विशाल और अरमान कृतिका के पति ने की ये अनोखी डिमांड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विवादित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 (ँगु ँदे ध्ऊऊ 3) में इस समय हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है। कभी नॉमिनेशन तो कभी टास्क में घर वालों का असली चेहरा फिर से आपस में भिड़ गए हैं। दरअसल, शो में एक नॉमिनेशन टास्क होता है उस पहले बिग बॉस के पूछे जाने पर लवकेश, अरमान को डबल फेस कहकर बुलाते हैं। ऐसे में उन्हें गुस्सा आ जाता है और वह लवकेश से अरमान इसके आगे कहते हैं कि वैशाली के लिए सूट और रिबन भेजना इसकी चोटियां करनी है। तेरे पापा (लवकेश) मुझे डबल फेस बोल रहा है। विशाल जब पलटकर उन्हें जवाब देते हैं, तो अरमान कहते हैं कि मैं तो 4 बच्चों का

एक-दूसरे के सामने आ रहा है। वहीं, दूसरी तरफ विशाल और अरमान की लड़ाई थमने का नाम नहीं ले रही है। पहले ये कंटेस्टेंट थप्पड़ कांड को लेकर आपस में भिड़े और अब फिर दोनों के बीच तकरार हो गई है। बिग बॉस ओटीटी 3 को स्ट्रीम हुए जल्द तीन हफ्ते पूरे होने वाले हैं। ऐसे में यह लोगों के पसंदीदा शो में से एक बना हुआ है। आए दिन अनिल कपूर के इस रियलिटी शो में कंटेस्टेंट के बीच लड़ाई-झगड़े देखने को मिल रहे हैं। अब बिग बॉस के घर के दो कंटेस्टेंट लड़ने लग जाते हैं। हालांकि, लव उनकी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते और उन्हें इगनेर कर देते हैं। इसके बाद अरमान, विशाल को पोक करने की कोशिश करते हैं। अरमान, विशाल के पास जाकर कहते हैं कि तुझे चाटने की जरूरत है, हम तो हैं नॉमिनेटेड। फिर विशाल, अरमान से कहते हैं कि तुम जाओ चुगलियां करो सासू मां। इसके बाद लड़ते-लड़ते अरमान उन्हें वैशाली-वैशाली बुलाने लगते हैं और कहते हैं कि इसके लिए सलवार-सूट लेकर आओ।सिर्फ इतना ही नहीं, बाप हूं, तू अपनी औकात देख। इनकी बहस देखने के बाद घर के सदस्य रणवीर शौरी इनके बीच आते हैं और अरमान को चुप करवाने की कोशिश करते हैं। वहीं सना इनकी लड़ाई को सास-बहू का ड्रामा बताती है। कुछ रिपोट्र्स के अनुसार, ऐसा बताया जा रहा है कि घर से बेघर हो चुकीं कंटेस्टेंट और अरमान मलिक की पहली पतनी पायल मलिक शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री ले सकती हैं। अब वह आती हैं या नहीं ये तो आने वाले दिनों में ही देखना होगा।

कहानी एक 'सरफिरे' की, जिसने आम आदमी को भी हवाई जहाज में बिठा दिया, अक्षय कुमार की जोरदार वापसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देश में कभी हवाई यात्रा अभिजात्य वर्ग की विलासिता मानी जाती थी, लेकिन उसे आम आदमी की पहुंच में लाने वाले कैप्टन जीआर गोपीनाथ थे। भारत में कम लागत वाली एयरलाइनों (एलसीसी) के जनक कहे जाने वाले कैप्टन जीआर गोपीनाथ एक रुपये में टिकट और ई-टिकट के साथ वाणिज्यिक विमानन क्षेत्र में क्रांति लाए थे। अक्षय कुमार के लिए पिछले कुछ महीने अच्छे नहीं रहे हैं। इस साल के पहले हाफ में उनकी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। उससे पहले भी कुछ फिल्में ठीक नहीं चलीं। 12 जुलाई को रिलीज हो रही सरफिरा उनके करियर के लिए अहम फिल्म है। यह बायोपिक फिल्म है जो जीआर गोपीनाथ के जीवन की घटनाओं को दिखाती है। यह फिल्म उन्हीं की किताब सिंपली फ्लाईः ए डेक्कन ओडसी पर आधारित है। हालांकि, यह बायोपिक फिल्म है, लेकिन पात्रों के नाम और स्थान बदल दिए गए हैं। संभवतः किसी प्रकार के विवाद से बचने के लिए फिल्ममेकर्स ने यह निणन्य लिया होगा। महाराष्ट्र के अंदरूनी गांव में रहने वाला स्कूल मास्टर का बेटा वीर जनार्दन म्हात्रे (अक्षय कुमार) कम लागत वाली एयरलाइंस शुरू करने के इरादे से एयरफोर्स की नौकरी से इस्तीफा दे चुका है। उसे 24 बैंक ऋण देने से इनकार कर चुके हैं। वीर अपने दो दोस्?तों के साथ एयरलाइंस खोलने को लेकर प्रयासरत है। उसका आदर्श जैज एयरलाइंस का मालिक परेश गोस्वामी (परेश रावल) है, जिसका विमानन इंडस्ट्री में दबदबा है। वह चाहता है कि परेश उसके आइडिया में इन्वेस्ट करें। परेश को पसंद नहीं कि हवाई यात्रा आम लोगों की पहुंच में आए और वर्ग विभाजन खत्म हो। निराश वीर को प्रकाश बाबू (प्रकाश बेलवाड़ी) से उम्मीद नजर आती है, जो उसके आइडिया में निवेश करने को तैयार हो जाता है। बाद में पता चलता है, वह प्रकाश का आदमी होता है, जिसने आकाश में उड़ने के सपने देखने वाले वीर को सड़क पर चलने लायक नहीं छोड़ा। हालांकि, इन हालात में उसकी पत्नी रानी (राधिका मदान) उसका संबल बनती है। मस्तमौला रानी के भी अपने सपने हैं। वह पंख देने के सफर के साथ जातिवाद, पितृसत्तात्मक समाज, महिला समानता अधिकारों और अमीर-गरीब के बीच अंतर पर भी बात करती है। फिल्म की शुरुआत से ही यह दिखाया गया है कि पूंजीपतियों और नौकरशाहों के बीच गठजोड़ किस तरह इस लीग में शामिल होने की चाह रखने वाले

शुरू में ही स्पष्ट कर देती है कि सिलाई, कढ़ाई जैसे काम आने के बावजूद वह घरेलू महिला बनकर नहीं रहना चाहती है। दोनों के मिलने और फिर शादी करने की दिलचस्प कहानी भी इसमें है। खैर परेश के दबदबे के बीच वीर किस प्रकार अपने सपनों को उड़ान देता है, फिल्म इस संबंध में है।निर्देशक सुधा कोंगरा इससे पहले गोपीनाथ पर साल 2020 में तमिल फिल्म सोरारई पोट्रू बना चुकी हैं। उसमें सूर्या ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। अब उन्होंने इसका हिंदी संस्करण अक्षय कुमार के साथ बनाया है। खास बात यह है कि सूर्या ने इस फिल्म में मेहमान भूमिका निभाई है। वो फिल्म के सह निर्माता भी हैं। मूल फिल्म देख चुके लोग भी सरफिरा का लुत्फ ले सकेंगे। यह फिल्म वीर के सपनों की उड़ान को किसी भी व्यक्ति को कुचलने में सहायक रहा है। सुधा कोंगरा, पूजा तोलानी और शालिनी उषादेवी का लिखा स्क्रीनप्ले दमदार है। कई दृश्य भावुक कर जाते हैं। फिल्म वर्तमान से अतीत में आती-जाती है। वीर और रानी की प्रेम कहानी को खूबसूरती से एक्सप्लोर किया गया है। रानी के किरदार के जरिए नारीवाद को भी बारीकी से उठाया है, पर उसके लिए कोई भाषणबाजी नहीं है।रानी शुरुआत से ही स्पष्ट कर देती है कि उसका काम उसके लिए उतना ही अहम है, जितना उसके पति का।बायोपिक फिल्मों के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार इससे पहले केसरी, पैडमैन, टायलेट : एक प्रेम कथा, मिशन मंगल, सम्राट पृथ्वीराज, मिशन रानीगंज में असल नायकों के जीवन को भी आत्मसात कर चुके हैं।

जेनिफर लोपेज से तलाक लेना बेन अफ्लेक को पड़ेगा महंगा, एक्टर की करोड़ों की संपत्ति में चाहती हैं बड़ा हिस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हॉलीवुड के चर्चित सितारे जेनिफर लोपेज और बेन अफ्लेक एक बार फिर सुखिर्यों में हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, जेनिफर लोपेज ने बेन अफ्लेक की 1231.5 करोड़ रुपये (र्त150 मिलियन) की संपत्ति का आधा हिस्सा मांगा है। यह कदम के बीच पहले से ही कई बार तलाक और अलगाव की खबरें सामने आ चुकी हैं। दोनों ने साल 2002 में सगाई की थी, लेकिन 2004 में उनका रिश्ता टूट गया। इसके बाद 2021 में दोनों ने फिर से अपने रिश्ते को नया मौका दिया और 2022 जुलाई में शादी कर ली। वहीं, अब एक बार फिर

उन्होंने उन्होंने बदले की भावना के चलते उठाया है, जबकि लोपेज के पास खुद कहीं ज्यादा प्रॉपर्टी है। बेन अफ्लेक संग अपनी छोटी-सी शादी में ज्यादातर खर्चे जेनिफर ने ही उठाया था। लास वेगास में अपनी शानदार शादी के सिर्फ 2 साल बाद जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक कथित तौर पर अलग होने की ओर बढ़ रहे हैं। कपल पिछले काफी वक्त से अलग - अलग रह रहा है। वहीं अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लोपेज तलाक के समझौते में एफ्लेक की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा चाहती हैं। जेनिफर लोपेज और बेन अफ्लेक हॉलीवुड के पावर कपल में गिने जाते थे। हालांकि, वक्त के साथ दोनों के बीच तनाव बढ़ता गया है और उनके रिश्ते में खटास आ गई है। पिछले काफी वक्त से दोनों अलग- अलग रह रहे हैं। जेनिफर लोपेज और बेन अफ्लेक दोनों का रिश्ता मुश्किल में आ गया है। बॉम्बशेल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लोपेज तलाक के समझौते में एफ्लेक की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा मांगने से पीछे नहीं हट रही हैं। बेन अफ्लेक ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा जेनिफर लोपेज के साथ साझा किया था, लेकिन अब उन्होंने इसे अपने पास वापस लेने का फैसला किया है। लोपेज का कहना है कि उन्होंने भी इस संपत्ति में योगदान दिया है और इसलिए उन्हें इसका आधा हिस्सा मिलना चाहिए। इस मामले ने हॉलीवुड में हलचल मचा दी है और फैंस के बीच भी चर्चा का विषय बन गया है। अब देखना होगा कि ये विवाद किस दिशा में जाता है और क्या दोनों सितारे अपने रिश्ते को बचाने में सफल हो पाते हैं या नहीं।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!

HOSTEL FACILITY
* AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
* Quality food
* Personal care
* 24/7 power backup
* Special tuition classes for hostelers
* Free health checkup per month.
* Infirmary faciliti is also available
* Well equipped laboratories and digital Library

पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट

Admissions OPEN

PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)

SCHOOL FACILITIES
* Affordable fee & High-tech infrastructure.
* Spacious and colorful classrooms.
* Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
* Free personality development.
* English spoken classes for each student.
* RO water and CCTV facilities.
* Pick and drop facilities with full safety.
* Trained PE Teacher along with
* Spacious playground

Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

भारत रुकवा सकता है रूस और यूक्रेन के बीच जंग', मोदी और पुतिन की दोस्ती देख बदल गए अमेरिका के सुर

वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय रूस की यात्रा पर अमेरिका और चीन जैसे देशों की

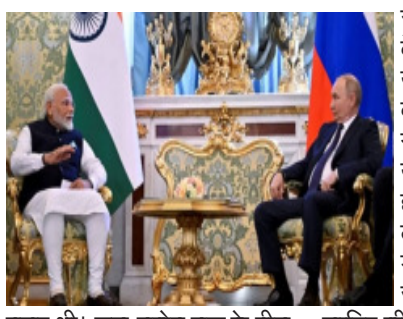

नजर थी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पहली बार प्रधानमंत्री मोदी रूस पहुंचे थे। मॉस्को में गर्मजोशी के साथ पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। पीएम मोदी की रूस यात्रा पर अमेरिका की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेरिका का मानना है कि रूस और भारत के अच्छे संबंध की वजह से इस युद्ध पर लगाम लगाया जा सकता है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव ने कहा कि भारत के पास क्षमता है कि वो युद्ध रुकवाने के लिए रूस को मना सके। दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हुई। पीएम मोदी ने साफ तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे जा रहे लोगों, खासकर बच्चों पर चिंता जाहिर की। उन्होंने दो टूक में कहा कि वर्तमान समय युद्ध का नहीं है। इस युद्ध में अमेरिका खुलकर यूक्रेन के साथ खड़ा है। पीएम मोदी की रूस यात्रा पर अमेरिका की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेरिका का मानना है कि रूस और भारत के अच्छे संबंध की वजह से इस युद्ध पर लगाम लगाया जा सकता है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे से जब पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका एक रणनीतिक भागीदार हैं। दोनों देशों के बीच हर मुद्दों पर स्पष्ट बातचीत होती है। यूक्रेन की बात आती है तो भारत सहित सभी देश स्थायी शांति हासिल करने के प्रयासों का समर्थन करते हैं। कैरिन जीन-पियरे ने कहा कि अमेरिका का मानना है कि भारत के पास ये क्षमता है कि वो रूस से बातचीत कर युद्ध को रुकवा सकता है। हालांकि, युद्ध को रोकने का आखिरी राष्ट्रपति पुतिन का है। राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध शुरू किया, और वह युद्ध समाप्त कर सकते हैं।

इस बार भारत में दो बजट क्यों हो रहे हैं पेश, क्या है इसके पीछे की वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को देश

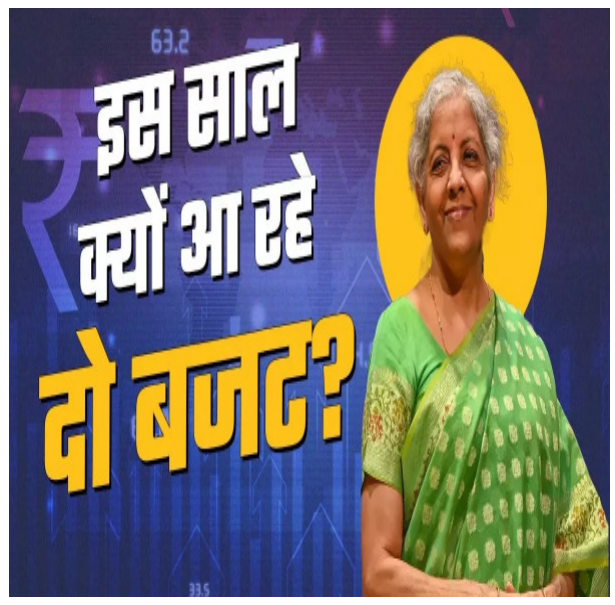

का यूनियन बजट पेश करने जा रही हैं। जुलाई में पेश होने वाले बजट के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहली ऐसी वित्त मंत्री बनने जा रही हैं जो एक के बाद एक 7 बजट पेश करेंगी। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड होगा। मालूम हो कि इससे पहले मोरारजी देसाई के नाम सबसे ज्यादा बजट पेश करने का रिकॉर्ड रहा है। आगामी पूर्ण बजट 23 जुलाई को पेश होने जा रहा है। बजट सेशन की बात करें तो यह 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। यूनियन बजट से पहले इस साल फरवरी में अंतरिम बजट पेश हो चुका है। जुलाई में पेश होने वाले बजट के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहली ऐसी वित्त मंत्री बनने जा रही हैं, जो एक के बाद एक 7 बजट पेश करेंगी। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड होगा। मालूम हो कि इससे पहले मोरारजी देसाई के नाम सबसे ज्यादा बजट पेश करने का रिकॉर्ड रहा है। दरअसल, देश में दो बजट पेश होने का सबसे बड़ा कारण इस बार आम चुनाव हैं। यूनियन बजट से पहले पेश किया गया अंतरिम बजट चुनाव से पहले सरकारी फंडिंग की निरंतरता के लिए कुछ अस्थाई उपायों से जुड़ा था। नए फैसले केवल और केवल नई सरकार बनने तक से पहले तक के लिए थे। वहीं, अब पेश होने वाला आगामी बजट जनता द्वारा चुनी हुई नई सरकार द्वारा पेश किया जा रहा है। यह देश के खर्चों, रेवेन्यू और आर्थिक नीतियों से जुड़ा पूरा साल का वित्तीय प्लान होगा। इस बजट में अलग-अलग सेक्टर के लिए आवंटन, कर प्रस्ताव और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की पहल शामिल होगी। अंतरिम बजट उन खर्चों से जुड़े फैसलों को लेकर खास होता है जिनके लिए नई सरकार बनने तक का इंतजार नहीं किया जा सकता है। इस बजट के साथ चुनाव से पहले वर्तमान सरकार को अनुमति होती है कि वह जरूरी खर्चों के लिए सरकारी खजाने से फंड का इस्तेमाल करे। हालांकि, अंतरिम बजट में टैक्स स्ट्रक्चर को बदलने जैसे कोई बड़े फैसले नहीं लिए जाते हैं। यूनियन बजट की बात करें तो यह नई सरकार का पूरे वित्त वर्ष के लिए वित्तीय प्लान होता है। इसमें रेवेन्यू, खर्चे, पॉलिसी डिटेल्स होती हैं। इसे लेकर संसद के दोनों सदनों द्वारा जांच की जाती है। इस पर संसद में बहस भी की जाती है। पूर्ण बजट संसद द्वारा अप्रूव किया जाना बेहद जरूरी है। यह वित्त वर्ष के अंत 31 मार्च तक वैलिड रहता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज
उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार
पब्लिसिंग हाउस सी 41
यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज
211010 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।